राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 15 सितम्बर 2023 वर्ष-6,अंक-235 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

10 महीने की हुई बिपाशाकी बेटी

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की बेटी देवी 12 सितंबर को 10 महीने की हो गई हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने देवी का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें नन्ही सी देवी पिंक फ्रॉक, पिंक हेयरबैंड और मैचिंग जूते पहने हुए बेड पर खेलती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए बिपाशा ने लिखा, 'हमारा पुडिंग आज 10 महीने का हो गया।' इसके अलावा बिपाशा ने बेटी की बर्थडे पार्टी की कुछ झलकियां अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। एक फोटो में देवी के जन्मदिन के केक की झलक मिली जिस पर एक खरगोश बना हुआ था। वहीं एक वीडियो में देवी अपने केक को देखकर काफी खुश नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर फैंस नन्ही सी देवी को जन्मदिन की बधाईयां दे रहे हैं। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'दसवां महीना मुबारक हो देवी, भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें, मेरी प्यारी प्यारी परी'। दूसरे ने लिखा, 'दस महीने मुबारक हो प्रिंसेस'। वहीं तीसरे ने लिखा, 'दसवें महीने की शुभकामनाएं देवी.. भगवान आपको हमेशा ढेर सारी खुशियां और प्यार दें'। कुछ दिन पहले बिपाशा बसु ने एक इंटरव्यू में बताया कि जन्म के समय देवी के दिल में दो छेद थे।

अनंतनाग में हुई शहादतों पर लोगों का भड़का गुस्सा

पाकिस्तान के फूंके झंडे, सर्जिकल स्ट्राइक की मांग की

अनंतनाग। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में सेना के कर्नल, मेजर व जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी के बलिदान पर वीरवार को जम्मू में पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश भड़क उठा। जम्मू में विभिन्न संगठनों ने इन शहादतों पर दुख प्रकट करने के साथ पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। इन शहादतों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराते हुए इन संगठनों ने पाकिस्तान के झंडे फूंक कर अपने गुस्से का इजहार किया। इसके साथ ही इन संगठनों ने केंद्र सरकार से गुलाम कश्मीर में चल रहे आतंकी शिविरों को नष्ट करने के लिए एक और सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग भी उठाई। अनंतनाग में हुई शहादतों पर दुख प्रकट करने के लिए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने वीरवार को जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट व सभी निचली अदालतों तथा ट्रिब्यूनल में वर्क सस्पेंड रखा। वकीलों ने वर्क सस्पेंड रखते हुए जानीपुर स्थित जिला कोर्ट परिसर में बलिदानियों को श्रद्धांजलि भी दी। वहीं , भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पुराने शहर के कच्ची छावनी इलाके में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। मोर्चा अध्यक्ष अरूण प्रभात ने इस मौके पर कहा कि भारत के बढ़ते कद को देखकर पाकिस्तान बौखला चुका है। वो एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को सक्रिय करना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान अपने मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देगी और उन्हें पूरा विश्वास है कि बहुत जल्द आतंकियों को ढेर कर दिया जाएगा। इस बीच डोगरा फ्रंट शिवसेना ने शहर के रानीपार्क इलाके में बलिदानियों को श्रद्धांजलि देने के साथ पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस मौके पर पाकिस्तान से बातचीत करने की वकालत करने वाले नेताओं पर बरसते हुए डोगरा फ्रंट शिवसेना प्रधान अशोक गुप्ता ने कहा कि इस शहादतों का बदला लिया जाएगा, कोई बातचीत नहीं।

यूपी में डेंगू के मरीजों की संख्या 3500 पार

लखनऊ। यूपी में डेंगू के मरीजों की संख्या तेजी बढ़ रही हैं। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में डेंगू मरीजों की संख्या 3500 के पार हो चुकी हैं। वहीं पिछले 24 घंटे में यूपी में 200 से ज्यादा नए संक्रमित सामने आए हैं। सबसे ज्यादा बिगड़े हालात NCR में गाजियाबाद और नोएडा के हैं। इसके अलावा मेरठ और लखनऊ में भी बड़ी संख्या में संक्रमित मरीज हैं। लखनऊ में 2 मरीजों की हालत ज्यादा गंभीर होने पर लोकबंधु अस्पताल में भर्ती किया गया। साथ ही बड़ी संख्या में बुखार रोगी भी अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी मरीज हैं जिनका एलाइजा टेस्ट नेगेटिव भी हैं। दूसरी तरफ डढऊमें मरीजों की कतार लगी है। बलरामपुर अस्पताल में मरीजों की जबरदस्त भीड़ है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अतुल मेहरोत्रा का कहना है, 24 घंटे में 120 से ज्यादा मरीजों के सैंपल डेंगू जांच के लिए भेजे गए। यहां फिलहाल डेंगू का कोई मरीज भर्ती नही हैं। वहीं बुखार के करीब 40 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। OPD में बुखार के रोजाना 200 से ज्यादा मरीज अस्पताल आ रहे हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों को दवाई मिलने के बाद राहत मिल जाती हैं और भर्ती करने की जरूरत नही पड़ रही। हालांकि अस्पताल में डेंगू वार्ड में फिलहाल 12 बेड रिजर्व किए गए हैं। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल के OPD में भी सबसे ज्यादा बुखार के ही आ रहे हैं।

बिहार की बागमती में नाव डूबी, 10 लापता

मुजफ्फरपुर । बिहार के मुजफ्फरपुर में गुरुवार को बागमती नदी में बड़ा हादसा हो गया है। 33 लोगों से भरी नाव नदी में डूब गई। नाव पर ज्यादातर स्कूली बच्चे थे। हादसा सुबह साढ़े 9 बजे गायघाट थाना क्षेत्र के बेनीबाद डढ में हुआ है। अब तक 20 लोगों को बाहर निकाल लिया गया। नदी की तेज बहाव में 16 लोग बह गए, जिनकी तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि नदी में बहाव तेज होने की वजह से रस्सी के सहारे नाव को पार कराया जा रहा था। तभी रस्सी अचानक टूट गई। नाव नदी में पलट गई। गांव में पुल नहीं होने की वजह से बच्चे और आसपास के लोग इसी तरह से आते-जाते थे। गायघाट और बेनीबाद पुलिस के साथ SDRF-NDRF की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। उधर, मुजफ्फरपुर में ही एसकेएमसीएच में नवनिर्मित पीकू वार्ड का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि डीएम और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। जो भी हताहत होगा सरकार उसके परिवार की मदद करेगी। गोविंदर सहनी ने बताया कि मेरे 17 साल के छोटे भाई पिंटू ने 2 लोगों को बचाया। वो और लोगों को बचाने के लिए फिर नदी में गया, लेकिन तेज बहाव के चलते वो खुद ही डूब गया। नाव पर 9वीं और 10वीं के बच्चे थे जो स्कूल जा रहे थे। बच्चों के साथ नाव पर कुछ गांव के भी लोग थे। कुछ काम करने जा रहे थे तो कुछ सामान लेने। डीएसपी पूर्वी शहरयार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। लोगों से भी घटना की जानकारी ली जा रही है। कितने बच्चे और लोग नाव पर सवार थे, यह स्पष्ट नही हो सका है। रस्सी के सहारे नाव को पार कराया जा रहा था। वह रस्सी अचानक से टूट गई थी। जिससे हादसा हो गया है। डीएम प्रणव कुमार ने बताया कि सभी टीमें रेस्क्यू में लगी हुई हैं। कितने लोग डूबे हैं इसका आंकड़ा बता पाना मुश्किल है। 14 से 15 लोग बाहर आ गए हैं। हमारी पहली प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित निकालना है। एसडीओ पूर्वी अमित कुमार ने बताया कि हमारा मेन फोकस बच्चों को सुरक्षित निकालने पर है। कितने लोग डूबे हैं उसका अभी कोई क्लियर आंकड़ा नहीं है।

घमंडिया गठबंधन सनातन को समाप्त करना चाहता है: पीएम

गांधी के आखिरी शब्द थे हे राम... वे जीवन भर सनातन के पक्ष में रहे

सागर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सागर के बीना में BPCL (भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) रिफाइनरी में 50 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले पेट्रो केमिकल प्लांट की आधारशिला रखी। रिफाइनरी से 3 किलोमीटर दूर हड़कलखाती गांव में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'घमंडिया गठबंधन सनातन को समाप्त करना चाह रहा है। गांधी जी के आखिरी शब्द थे- हे राम...। वे जीवन भर सनातन के पक्ष में रहे।' सभास्थल से ही मोदी ने 1800 करोड़ रुपए के इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का वर्चुअली शिलान्यास किया। इनमें नर्मदापुरम के ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन प्रक्षेत्र, आईटी पार्क-3 व 4 इंदौर, मेगा इंडस्ट्रियल पार्क रतलाम और 6 इंडस्ट्रियल पार्क (नर्मदापुरम, गुना, शाजापुर, मऊगंज, आगर-मालवा और मक्सी) शामिल हैं। यह प्रधानमंत्री का मध्यप्रदेश में 6 महीने में छठवां दौरा है। इससे पहले 12 अगस्त को उन्होंने सागर आकर संत रविदास मंदिर की आधारशिला रखी थी। बुंदेलखंड वीरों-शूरवीरों की धरती है। इस भूमि को बीना-बेतवा नदी का आशीर्वाद मिला हुआ है। मुझे महीने भर में दूसरी बार सागर आकर आप सभी के दर्शन का सौभाग्य मिला। मैं शिवराज सरकार का भी अभिनंदन करता हूं कि आज आप सभी के बीच आकर आपके दर्शन का अवसर दिया। पिछली बार मैं संत रविदास जी के भव्य स्मारक के भूमिपूजन के अवसर पर आपके बीच आया था। आज मुझे मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देने वालीं अनेक परियोजनाओं का भूमिपूजन करने का अवसर मिला। ये परियोजनाएं इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई ऊर्जा देंगी। इन परियोजनाओं पर केंद्र सरकार 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने वाली है। आप कल्पना कर सकते हैं कि 50 हजार करोड़ रुपए क्या होता है? हमारे देश के कई राज्यों का पूरे साल का बजट भी इतना नहीं होता है, जितना आज एक ही कार्यक्रम के लिए भारत सरकार लगा रही है। ये दिखाता है कि मध्यप्रदेश के लिए हमारे संकल्प कितने बड़े हैं। ये सारे प्रोजेक्ट्स आने वाले समय में मध्यप्रदेश में हजारों युवाओं को रोजगार देंगे। मैं यह गारंटी देने आया हूं कि एमपी में नई इंडस्ट्री आएंगी, रोजगार के अवसर मिलेंगे साथियों, आजादी के इस अमृत काल में हर देशवासी ने भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए ये जरूरी है कि भारत आत्मनिर्भर हो। हमें विदेशों से कम से कम चीजें मंगानी पड़ें। आज भारत पेट्रोल-डीजल तो बाहर से मंगाता ही है, हमें पेट्रो केमिकल प्रोडक्ट्स के लिए भी दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। आज बीना रिफाइनरी में पेट्रो केमिकल कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास हुआ है। यह भारत को ऐसी चीजों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का काम करेगा। बहुत से लोगों को यह पता ही नहीं होता कि प्लास्टिक पाइप, बाल्टी-मग, कुर्सी-टेबल, पेंट, पैकिंग मटीरियल, मेडिकल उपकरण बनाने में पेट्रो केमिकल की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

मेरठ : छात्र की सरेआम गोली मारकर हत्या

मेरठ । एक तरफ पुलिस दौराला में मिले सिर कटे शव की पहचान कराने में माथा-पच्ची कर रही थी कि गुरुवार को सरधना में अपराधियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला। यहां भामोरी गांव में एक छात्र की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई।जानकारी के अनुसार भामोरी गांव में छात्र की गोली मारकर हत्या से हड़कंप मच गया। बताया गया कि बुधवार रात रास्ते को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपियों की छात्र से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद दो सगे भाइयों ने अपने पिता के साथ मिलकर हत्या को अंजाम दे डाला। गुरुवार को गांव के बाहरी छोर पर छात्र अपनी डेयरी पर गया था। इसी दौरान आरोपी पिता-पुत्रों ने छात्र के सीने से सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही छात्र जमीन पर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। वहीं आरोपी पिता-पुत्र मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और घटना की छानबीन कर शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया। वहीं छात्र की हत्या से परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश की लेकिन उनका कोई सुराग अभी नहीं लग सका।

लखनऊ में सड़कों पर उतरे हजारों वकील

लखनऊ। हापुड़ में 29 अगस्त को अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में आज लखनऊ में हजारों की संख्या में वकील स्वास्थ्य भवन चौराहे नारेबाजी करते हुए पहुंचे। इस दौरान वकीलों ने अधिकारियों और सरकार का पुतला भी फूंका। प्रदर्शन करते हुए हजरतगंज की तरफ बढ़ रहे हैं। बीच में पुलिस के रोकने पर वकीलों की झड़प भी हुई। प्रदर्शन को देखते हुए हजरतगंज चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता बंद किया गया है। गाड़ियों को डायवर्ट किया गया है। उग्र प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में फोर्स तैनात है।हजारों वकील सरकार और शासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश पांडेय, महामंत्री कुलदीप नारायण मिश्र, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कुमार द्विवेदी, महामंत्री ब्रजेश कुमार यादव समेत तमाम अधिवक्ताओं ने बैठक की। इस दौरान लखनऊ बार एसोएसिएशन से अधिवक्ता महेंद्र पांडेय, अनुष कुमार यादव, रत्नाकर नाथ द्विवेदी, सेंट्रल बार से उत्तम त्रिपाठी, सुरेंद्र कुमार मौर्या व हजारों वकील मौजूद रहे। हापुड़ कांड को लेकर अधिवक्ताओं की हड़ताल गुरुवार को भी जारी रही। जिला सिविल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने कलक्ट्रेट तिराहे पर पुलिस प्रशासन का पुतला फूंका। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज करने वाले पुलिस कर्मियों की गिरफ्तारी की मांग की गई।

'भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति की धरोहर हैं', हिंदी दिवस के मौके पर बोले गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली। हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियो को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान हिंदी भाषा के महत्व को समझाया। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी के महत्व को देखते हुए संविधान निमार्ताओं ने 14 सिंतबर 1949 के दिन हिंदी को देश की राष्ट्रभाषा के तौर पर स्वीकार किया था। गृह मंत्री ने कहा कि देश की मौलिक और सृजनात्मक अभिव्यक्ति को सही मायनों में अपनी राष्ट्रभाषा में ही की जा सकती है। हिंदी दिवस के अवसर पर अमित शाह ने राष्ट्रभाषा हिंदी को परिभाषित करते हुए बताया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषाओं की विविधिता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम हिंदी है। उन्होंने कहा, 'भारत वर्षों से ही विविध भाषाओं का देश रहा है और हिंदी को एक जनतांत्रिक भाषा के रूप में माना जाता है। इसने अलग-अलग भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ कई वैश्विक भाषाओं को सम्मान देने का भी काम किया है।' अमित शाह ने आगे कहा, 'हिंदी भाषा ने देश की स्वतंत्रता के दौरान देशवासियों को एकसूत्र में बांधने और अनेक भाषाओं में बंटे देश में एकता की भावना को स्थापित करने का भी काम किया था।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के मौके पर हिंदी भाषा के इतिहास पर बात की। उन्होंने कहा, 'देश मे स्वराज प्राप्ती और स्वभाषा के आंदोलन साथ-साथ चल रहे थे। स्वतंत्रता प्राप्ती के बाद हिंदी के महत्व को देखते हुए संविधान निमार्ताओं ने इसे 14 सिंतबर 1949 के दिन राष्ट्रभाषा के तौर पर स्वीकार किया था।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी सभी भारतीय भाषाएं और बोलियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और हमें इसे लेकर चलना है। हिंदी की किसी भी भाषा न कभी स्पर्धा थी और न कभी होगी। हमारी सभी भाषाओं को सशक्त करने से एक ही सशक्त राष्ट्र बनेगा और मुझे यकीन है कि हिंदी सभी भाषाओं को सशक्त बनाने का काम करेगी।' अमित शाह ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष तीसरा 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का आयोजन पुणे में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हिंदी दिवस के मौके पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कामना की कि हिंदी भाषा राष्ट्रीय एकता और सद्भावना की डोर को निरंतर मजबूत करती रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सुर्खियों की राजनीति

जब चुनाव करीब हों, तब अखबारों की सुर्खियां अनायास ध्यान खींचने लगती हैं और अध्ययन-मनन का विषय बन जाती हैं। आधुनिक दुनिया में जब प्रचार-प्रसार का महत्व बढ़ता ही चला जा रहा है, तब स्वाभाविक ही राजनीति भी ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार केंद्रित होती जा रही है। राजनीति शास्त्र में भी यह माना जाने लगा है कि एक लोकप्रिय राजनीतिज्ञ वही है, जो किसी न किसी कारण से हमेशा चर्चा में रहता है। जो राजनेता चर्चा में नहीं रहते हैं, उनको लोग भी भुला देते हैं और उन्हें चुनाव जीतने में भी परेशानी आती है। आज की आपाधापी में सामान्य खबरों के लिए जगह सिमटती जा रही है। बड़ी खबरों में भी जो बहुत बड़ी खबरें हैं, वही सुर्खियों में आ पाती हैं। किसी भी देश या समाज में सत्ता का जो समीकरण होता है, वही शायद सुर्खियां तय करता है। बड़ी से बड़ी खबर को हाशिये पर किया जा सकता है, अगर उससे भी बड़ी खबर पैदा कर दी जाए। अक्सर यह देखा गया है कि विपक्ष भले ही अपनी पसंद का मजबूत मुद्दा चुन ले, पर अगर सत्तापक्ष सशक्त हो, तो वह उस विषय में भी नैरेटिव या कहानी को अपनी ओर मोड़ने में कामयाब हो सकता है। सुर्खियों की राजनीति की अनेक मिसालें हैं, जिनकी चर्चा एक परिपक्व लोकतंत्र में जरूर होनी चाहिए। इससे देश को और बेहतर समझने में मदद मिलती है। साथ ही, सही फैसला करना आसान हो जाता है। अब इसमें कोई दोराय नहीं है कि जब चुनाव सामने हैं, तब करीब 28 दलों ने मिलकर एक मजबूत विपक्ष खड़ा कर लिया है, जिसका नाम 'इंडिया' रखा गया है और जिसकी खूब चर्चा है। शुरू में ऐसा लगा कि इंडिया नाम से बना गठबंधन परिचय के मामले में बाजी मार ले जाएगा, लेकिन सत्ता पक्ष ने भारत शब्द की पक्षधरता का बिगुल बजाकर मुकाबले को तगड़ा बना दिया। कहानी इंडिया बनाम भारत बन गई। इसमें कोई शक नहीं कि भारत शब्द का समाज और भावार्थ व्यापक है। नतीजा यह कि जहां इंडिया की चर्चा हो रही है, वहां भारत शब्द की भी गूंज है। कुल मिलाकर, लोगों के बीच एक आम धारणा यह बनी है कि सिर्फ इंडिया नाम रख लेने से काम आसान नहीं हो जाएगा। तय है, आगामी दिनों में सुर्खियों की राजनीति खूब होगी और इससे कतई बचा नहीं जा सकता। ध्यान दीजिए, जब जून महीने के उत्तरार्द्ध में विपक्षी गठबंधन की पटना में बैठक हुई, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका दौरे की खबरें सुर्खियों में चल रही थीं। जब जुलाई में बेंगलुरु में 26 दलों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया की दूसरी बैठक हुई, तब दिल्ली में एनडीए की बैठक में 38 दल शामिल हो गए। विपक्ष की लोकतांत्रिक एकजुटता का जवाब सत्तापक्ष ने भी अपनी विशालता से दिया। अगस्त के अंत में जब मुंबई में विपक्ष की बैठक शुरू हुई, तब मुंबई में ही एनडीए की बैठक भी आयोजित हुई। दो-तीन दिनों तक एक देश-एक चुनाव, आदित्य एल1, संसद के विशेष सत्र और रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष की नियुक्ति की खबरों ने विपक्षी महागठबंधन से संबंधित खबरों को तगड़ी चुनौती दी। उसके बाद 13 सितंबर को जब नई दिल्ली में विपक्षी दल साथ बैठे, तब भी केंद्र सरकार ने अनेक बड़े फैसलों की घोषणा की। एक सफलतम योजना उज्ज्वला के विस्तार के साथ ही संसद के विशेष सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक की घोषणा सुर्खियों में आ गई। सुर्खियों में रहने का यह संग्राम जितना स्वाभाविक है, उतना ही दिलचस्प भी रहेगा।

सही साधनों से एक न्यायसंगत देश का निर्माण करना

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉ. अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(15 सितम्बर अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस)

भारत ने स्वतंत्रता 15 अगस्त 1947 को पाई और 26 जनवरी1950 गणराज्य की स्थापना हुई। हमने गुलामी से मुक्ति पाकर कुछ नया करने का संकल्प लिया और वर्तमान में बहुत कुछ पाना हैं। अविकसित से विकासशील बनने की दौड़ में हैं और विकसित बनना हैं जो कठिन नहीं हैं परन्तु प्रजातंत्र में भाई- भतीजावाद, भ्रष्टाचार, भुखमरी, बेरोजगारी, मंहगाई ने भारत की लोकतंत्र की कमर तोड़ दी। जो चिंतनीय पहलु हैं

अगली पीढ़ी को सशक्त बनाना अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के लिए इस वर्ष 2003 की थीम, अगली पीढ़ी को सशक्त बनाना लोकतंत्र को आगे बढ़ाने में युवाओं की आवश्यक भूमिका पर केंद्रित है और यह सुनिश्चित करना है कि उनकी आवाज़ उन निर्णयों में शामिल हो जिनका उन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को बढ़ावा देने और बनाए रखने के उद्देश्य से 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया और सभी सदस्य राज्यों और संगठनों को इस दिन को उचित तरीके से मनाने के लिए आमंत्रित किया, जो लोकतंत्र को बढ़ावा देने में योगदान देता है। जन जागरूकता।

जबकि लोकतंत्र में सामान्य विशेषताएं साझा होती हैं, लोकतंत्र का कोई एक मॉडल नहीं है और लोकतंत्र किसी देश या क्षेत्र से संबंधित नहीं है। लोकतंत्र एक सार्वभौमिक मूल्य है जो लोगों की अपनी राजनीतिक, आर्थिक स्थिति निर्धारित करने की स्वतंत्र रूप से व्यक्त इच्छा पर आधारित है, सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्थाएँ, और जीवन के सभी पहलुओं में उनकी पूर्ण भागीदारी।

सितंबर 1997 में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) ने लोकतंत्र पर एक सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया। यह घोषणा लोकतंत्र के सिद्धांतों, लोकतांत्रिक सरकार के तत्वों और अभ्यास और लोकतंत्र के अंतर्राष्ट्रीय दायरे की पुष्टि करती है।

नए और बहाल लोकतंत्रों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनआरडी प्रक्रिया) 1988 में फिलीपींस के राष्ट्रपति कोराज़ोन सी. एक्विनो की पहल के तहत शुरू हुआ, जब तथाकथित शांतिपूर्ण पीपुल्स पावर रिवोल्यूशन ने फर्डिनेंड मार्कोस की 20 साल की तानाशाही को उखाड़ फेंका। प्रारंभ में एक अंतर-सरकारी मंच, **ICNRD** प्रक्रिया सरकारों, संसदों और नागरिक समाज की भागीदारी के साथ एक त्रिपक्षीय संरचना में विकसित हुई। 2006 में दोहा, कतर में हुए छठे सम्मेलन (**ICNRD-6**) ने प्रक्रिया की त्रिपक्षीय प्रकृति को मजबूत किया और एक घोषणा और कार्य योजना के साथ संपन्न हुआ जिसने लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों और मूल्यों की पुष्टि की।

ICNRD-6 के परिणाम के बाद, प्रक्रिया के अध्यक्ष कतर द्वारा स्थापित एक सलाहकार बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस को बढ़ावा देने का निर्णय लिया। कतर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का मसौदा तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभाई और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के साथ परामर्श आयोजित किया। आईपीयू के सुझाव पर, 15 सितंबर (लोकतंत्र पर सार्वभौम घोषणा की तारीख) को उस दिन के रूप में चुना गया जब अंतर्राष्ट्रीय समुदाय हर साल अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाएगा। नए या बहाल लोकतंत्रों को बढ़ावा देने और समेकित करने के लिए सरकारों के प्रयासों की संयुक्त राष्ट्र प्रणाली द्वारा समर्थन शीर्षक वाला संकल्प, [4] 8 नवंबर 2007 को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।

आईपीयू ने संसदों से किसी प्रकार की विशेष गतिविधि के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाने का आग्रह किया है, जिसे परिस्थितियों के आधार पर यथासंभव 15 सितंबर या उसके आसपास आयोजित किया जाना चाहिए। यह दिन संसदों के लिए एक अवसर होगा-

लोकतंत्र के महत्व, इसमें क्या शामिल है, इसके सामने आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों और लोकतंत्र की प्रमुख संस्था के रूप में सभी संसदों की केंद्रीय जिम्मेदारी पर जोर दें; जांच करें और चर्चा करें कि संसद अपने लोकतांत्रिक कार्यों को कितनी अच्छी तरह से करती है, संभवतः स्व-मूल्यांकन के आधार पर, और पहचानें कि वह अपनी प्रभावशीलता को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठा सकती है। भारत दुनिया का पहला (जनसंख्या में) और सातवाँ (क्षेत्र में) सबसे बड़ा देश है। भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, फिर भी यह एक युवा राष्ट्र है। 1947 की स्वतन्त्रता के बाद दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इसके राष्ट्रवादी के आंदोलन कांग्रेस के नेतृत्व के तहत बनाया गया था।

लोकसभा के सदस्यों का चुनाव हर 5 वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है। देश में दो मुख्य गठबंधन-राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन और सत्ताधारी पार्टियाँ 16 ; छह मुख्य राष्ट्रीय पार्टियाँ हैं:- भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी। राज्य स्तर पर, कई क्षेत्रीय दल विधानसभाओं के लिय हर पांच साल पर खड़े होते हैं। राज्य सभा चुनाव हर 6 वर्ष में आयोजित की जाती है।

लोकतंत्र, सरकार की एक प्रणाली है जो नागरिकों को वोट देने और मतदाताओं को अपनी पसंद की विधायिका का चुनाव करने की अनुमति देती है। इसके तीन मुख्य अंग हैं:- कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका। लोकतंत्र के उपयोग का इतिहास लंबा और ऊंचनीच से भरा हुआ है। भारत के प्राचीन गणतंत्रों अथवा यूरोप के एथेन्सी लोकतंत्र का इतिहास ही दो हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है और हम देखते हैं कि उस काल के मानव समाज में भी लोकतंत्रीय संस्थाएं किसी-न-किसी रूप में विद्यमान थीं।

मानवीय गतिविधि जैसे-जैसे व्यापक रूप लेती गई, मानव दृष्टि में भी व्यापकता आती गई। नागरिक समाज निर्माण करने की आकांक्षा ने मनुष्य को लोकतंत्र की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया क्योंकि यही ऐसी व्यवस्था है जिसमें सर्वसाधारण को अधिकतम भागीदारी का अवसर मिलता है। इससे केवल निर्णय करने की प्रक्रिया ही में नहीं अपितु कार्यकारी क्षेत्र में भी भागीदारी उपलब्ध होती है। अपने विकास क्रम के विभिन्न चरणों में लोकतंत्र ने भिन्न-भिन्न परिस्थितियों को अन्यान्य मात्रा में सुनिश्चित करने का प्रयास किया है।

किसी भी प्रजातंत्र के लिए चुनाव उसका अभिन्न अंग होते हैं। लेकिन यही अंतिम सत्य नहीं है। इस संस्था का अंतिम सत्य तो जनता और उसके जीवन की अंतर्वस्तु होती है। दुर्भाग्यवश भारत की राजनीतिक प्रक्रिया में राजनैतिक दल, चुनाव के पहले की अपनी कथनी को सत्ता में आने के बाद बदल देते हैं, और इस प्रकार से प्रजातंत्र की अनदेखी की जाती रहती है।

राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्षता

पिछले पाँच वर्षों में, राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता, दो ऐसे जुमले रहे हैं, जो देश की राजनीति पर छाए रहे हैं। ये दोनों ही तत्व भाजपा और कांग्रेस से जुड़े रहे हैं। भारतीय प्रजातंत्र के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता एक प्रकार का आदर्श नारा है। परन्तु राजनैतिक दलों ने इसे भिन्न स्वरूप में प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। वास्तव में यह चिंतनीय है।

दरअसल, राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता जैसे तत्वों के लिए प्रजातंत्र का होना अनिवार्य नहीं है। ईरान के अंतिम शाह और ईराक में सद्दाम हुसैन के अधीन भी धर्मनिरपेक्षता थी; जबकि ये दोनों ही शासक तानाशाह थे। चीनी गणतंत्र भी इतना राष्ट्रवादी है कि उसके समाजवाद को चीनी विशेषताओं वाला समाजवाद माना जाता है। बहरहाल, वह एक प्रजातंत्र नहीं है। भारत के लिए प्रजातंत्र, राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता से बढ़कर होना चाहिए। लेकिन यह दांव पर लगा हुआ है। इसका अर्थ यह नहीं कि प्रजातंत्र में इन दोनों आदर्शों का स्थान नगण्य है। वास्तव में तो ये तत्व प्रजातंत्र के महत्वपूर्ण भाग हैं।

अगर राष्ट्रवाद पर नजर डालें, तो प्रजातांत्रिक समुदाय बनने के साथ ही अपने राष्ट्र के हितों की रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य बन जाता है। भारत में खतरे दो स्रोतों से आते हैं। भारत से शत्रुता रखने वाले क्षेत्रों में चीन जैसे सत्तावादी शासन हैं। दूसरा, पश्चिमी शक्तियों ने अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक निकायों पर कब्जा कर लिया है, और इन बहुपक्षीय एजेंसियों के माध्यम से वे भारत के बाजार को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। दूसरा तत्व धर्मनिरपेक्षता है। सैद्धांतिक रूप से तो किसी प्रजातांत्रिक सरकार के कार्यकलापों में धार्मिक प्रभाव दिखाई नहीं देना चाहिए। वर्तमान भारत में इस तथ्य की प्रासंगिकता को समझना आवश्यक है। इसके लिए अन्य धर्मों के अल्पसंख्यकों की रक्षा की जानी चाहिए।

सही साधनों से न्यायसंगत समाज की स्थापना पिछले 70 वर्षों में, भारतीय लोकतंत्र का लक्ष्य समृद्धि रहा होगा, परंतु यह बहुमत में कहीं दिखाई नहीं देता। समाज का एक छोटा-सा वर्ग ही समृद्धशाली होता गया है। न केवल धनी वर्ग, बल्कि मध्य वर्ग भी पहले की अपेक्षा समृद्ध हो गया है। बाकी की जनता अभी भी जीविका के लिए संघर्ष कर रही है। इन निर्धनों के लिए न्यायसंगत समाज की परिकल्पना भी दूर की बात है। वास्तव में सही साधनों से न्यायसंगत समाज की स्थापना की जा सकती है। इसके लिए सही नीतियों की आवश्यकता है। इन्हें बनाना राजनतिक दलों का काम है।

अधिकांश भारतीयों के जीवन के संघर्ष को समाप्त करने के लिए हमें अपनी नीतियों की दिशा को नीचे जाते मानव विकास सूचकांक को ऊपर उठाने की ओर मोड़नी होगी। शिक्षा की गुणवत्ता की कमी के कारण लाखों युवा बेरोजगार हैं। एक सम्मानयुक्त जीविका कमाने के लिए उनका कौशल पर्याप्त नहीं है। इसके लिए दो प्रकार से तैयारी करनी होगी।

आज का राशिफल

मेष	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।
वृषभ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कन्या	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
वृश्चिक	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
धनु	व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।
कुम्भ	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मीन	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

बुजुर्गों को मिलें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार!

(लेखिका - सोनम लववंशी)

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी, है जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी। यानी सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीकरण, बाधारहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन। रामधारी सिंह दिनकर की ये पंक्तियां आधुनिक होती युवा पीढ़ी के लिए कई सवाल खड़े करती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने वर्तमान दौर में समाज की संरचना को असभ्य, अशालीन, बदसूरत एवं संवेदनहीन बना दिया है। अब रिश्तों का मर्म बस इतना रह गया है कि जरूरत के हिसाब से लोग रिश्ते निभा रहे हैं। जरूरत ख़त्म होते ही घर के बड़े-बुजुर्ग भी बोझ समझे जाने लगे हैं। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि, यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप। ऐसे में माता-पिता के जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दें। आज हर घर की यही कहानी है कि घर के बड़े बुजुर्ग अकेलेपन, तिरस्कार, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा और भय से अपमानित जीवन जीने को मजबूर है। आधुनिकता के इस दौर में उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के चलते सामाजिक मूल्यों के बदलते परिवेश में नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आ गया है। एकीकृत जीवनशैली ने बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं खड़ी कर दी है। संविधान का अनुच्छेद- 21 प्रत्येक मनुष्य को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार देता है, लेकिन जब अपने ही इस अधिकार में बाधक बन जाए तो हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं? ये कोई बताने या समझाने वाली बात नहीं! वैसे हमारे समाज की यह बहुत बड़ी बिडम्बना है कि हम बेटों की चाहत में इतने अंधे हो गए है कि बेटियों को वो प्यार ही नही दे पाते हैं। जिसकी वे असल हकदार होती हैं। आज भी हमारे समाज में पुरुषवादी मानसिकता भरी हुई है। हम आज भी बेटे को कुलदीपक मानते हैं। तो वहीं बेटियों को पराया धन माना जाता है, लेकिन अक्सर यही कुलदीपक अपने ही जन्मदाता को वृद्धा आश्रम छोड़ कर चले आते हैं। हम वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रखने वाले देश के लोग हैं। फ़िर आधुनिकता की दौड़ में इतना अंधे कैसे हो रहें कि अपने संस्कारों को ही तिलांजलि देने पर तुले हैं। क्या यही आधुनिकता है, जिसमें अपनों का सम्मान करना ही भूल जाए? हम तो विश्वगुरु बनने की राह में आगे बढ़ रहे है फिर कैसे अपने जीवन के प्रथम गुरु के साथ बदसलूकी पर उतर आए? ये सच है कि भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हम अपने लिए ही समय नही निकाल पाते हैं, तो फिर अपनों की जिम्मेदारियों का ख्याल कैसे रखें? लेकिन जिस मां- बाप ने जन्म दिया उसकी जिम्मेदारी से मुंह तो मोड़ नहीं सकते। हम यह क्यों भूल जाते है कि जिस माँ ने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द सहन कर हमें इस दुनिया में जन्म दिया है। जिस पिता ने हमें उंगली पकड़कर चलना सीखाया। जिसने हमें इस लायक बनाया की हम सही गलत का फर्क समझ सके। फ़िर जिस वक्त उन्हें हमारे सहारे की ज़रूरत फ़िर हम कैसे मुकर सकते हैं? आज न केवल समाज को जागरूक होने की आवश्यकता है बल्कि बुजुर्गों पर हो रहे अत्याचार पर सरकार को भी कड़े कानून बनाना चाहिए। जिससे हमारे बुजुर्ग भी सम्मानपूर्वक अपना जीवन जी सके। हमें समझना होगा कि हमारे बुजुर्ग हमसे क्या कहना चाह रहे हैं। आज हमने उन्हें सुनने की बजाए अपनी सुनाना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि वर्तमाम दौर में समाज में आपराधिक प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। आज हम पुरानी इमारतों को तो सहेजकर रखना चाहते है, लेकिन हमारे घर के बुजुर्गों को बेसहारा छोड़कर आंसू बहाने के लिए छोड़ रहे हैं। भारत की पुरातन संस्कृति और सभ्यता तो ऐसी कतई नहीं थी। फ़िर आज क्यों हमारा समाज और देश अपनी दिशा से भटक रहा है? हम शिक्षा के पैमाने पर अंकों के मामले में भले ही आगे बढ़ रहे हैं। पर अपने नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति कर्तव्यों को तिलांजलि क्यों दे रहे हैं? हमारा समाज अपने बुजुर्ग माता-पिता पर ही अत्याचार कर रहा। फ़िर ऐसे में कैसे उम्मीद लगाई जाए, कि वह किसी दूसरे की जान की परवाह करेगा। आज समाज आधुनिक होने का दम्भ तो भर रहा। पर शायद वह यह भूल गया है, कि सामाजिक व्यवस्था और घर-परिवार सिर्फ़ इन भौतिक वस्तुओं से नहीं चलते। हमें एक बेहतर समाज निर्माण के लिए बेहतर सोच रखनी होगी। तभी देश और समाज की बनी-बनाई व्यवस्था चल पाएगी। वरना सबकुछ जंगलराज में तब्दील हो जाएगा। हमारी संस्कृति में घर के बड़े-बुजुर्गों की बात का सम्मान करना सदियों की परंपरा और संस्कृति का हिस्सा रही है। फ़िर ज़िक्र चाहें श्रीराम का हो। जिन्होंने अपने पिता की बात का मान रखने के लिए वन जाने का निश्चय किया या फ़िर श्रवण कुमार का। जिन्होंने अपने माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा कराई हो। ये सच है कि आज के दौर में कोई भी व्यक्ति श्रवण कुमार नहीं बन सकता। पर अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा तो की ही जा सकती है। लेकिन दुर्भाग्य देखिए आज के समाज का! लोग खूबसूरत पहनावे और भौतिक सुख-सुविधाओं से लैस होकर खुद को स्मार्ट समझने लगे हैं। लेकिन वास्तव में दिलों - दिमाग से उतने ही घिनौने और कंगाल होते जा रहे हैं। ऐसी आधुनिकता और शिक्षित समाज किस काम का जो अपने बुजुर्ग सदस्यों को अकेलेपन में जीवन बिताने के लिए आश्रम में छोड़ दे, अथवा अपने ही हाथों से उनकी जीवनलीला समाप्त कर दे। ऐसे में सवाल तो बहुत है कि आख़िर हमारे समाज को हुआ क्या है? क्यों आज समाज में एक ऐसा तबक़ा हावी हो रहा, जो अपनों की ही जान लेने पर उतावला हो रहा है। वृद्धजनों के लिये बुनियादी सुविधाओं जैसे- भोजन, स्वास्थ्य, घर तथा अन्य आवश्यकताओं की अनुपलब्धता उनके मानवाधिकारों का हनन तो है ही। साथ में यह संविधान के अनुच्छेद-21, जो कि प्रत्येक मनुष्य को गरिमापूर्ण तथा स्वतंत्र जीवन जीने का अधिकार देता है, उसके साथ भी खिलवाड़ है और ऐसा खिलवाड़ अगर अपने ही कर रहे। ऐसे में समझ सकते हमारा समाज अंदर से कितना खोखला होता जा रहा। वैसे पिछले कुछ दशकों में हमारे सामाजिक मूल्यों में काफ़ी बदलाव आ गया है, तभी सरकार को साल 2007 में माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण कानून ही नहीं बनाना पड़ा। बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए न्यायपालिका को भी कड़े कदम उठाने पड़े। यह वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सम्बल तो दे रहा है। बावजूद इसके आए दिन देश के किसी न किसी कोने से माँ बाप पर अत्याचार की खबरें भी आ रही है। इसके लिए सिर्फ सरकार ही नहीं परिवार को भी अपने बुजुर्ग माता पिता की जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देना होगा।

विचार मंथन

मोदी बनाम इंडिया

(लेखक- सनत जैन)

अगला लोकसभा चुनाव मोदी बनाम इंडिया के बीच होगा। इंडिया बनाम भारत भी लोकसभा चुनाव में महत्वपूर्ण रोल अदा करेगा। भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी की अभी तक की रणनीति थी, कि मोदी नहीं तो कौन? इस रणनीति मैं मोदी के समान किसी की भी नेता की लोकप्रियता नहीं थी। राहुल गांधी को 2014 से 2019 के बीच में पप्पू साबित कर दिया गया था। मोदी के सामने देश में कोई भी लोकप्रिय नेता नहीं था। जो उनका मुकाबलाकर सके। अब जिस तरह की स्थिति वर्तामान में बन रही है। उससे यह स्पष्ट हो चला है, कि अब मोदी बनाम इंडिया के बीच में चुनावी महासंग्राम होगा। इंडिया के 28 राजनीतिक दलों के गठबंधन मोदी के मुकाबले में सामने आ रहा है। प्रधानमंत्री पद की दौड़ में कोई भी नाम मोदी के सामने नहीं आ रहा है। 28 राजनीतिक दलों की लामबंदी और इंडिया गठबंधन ने मोदी और भारतीय जनता पार्टी को बड़ी चुनौती देने का काम किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी काफी परेशान हो गई है। भारत शब्द भी भारतीय जनता पार्टी को फायदा नहीं पहुंचा पा रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक हुई। उसमें भारत जोड़ो की बात हुई। अब विपक्षी दलों के गठबंधन ने जब अपना नाम इंडिया रखा। इस इंडिया नाम का विरोध भारतीय जनता पार्टी ने किया। यह प्रयास भी निष्फल साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके पहले कई योजनाओं का नाम इंडिया के नाम पर रख चुके हैं। उसमें वोट फॉर इंडिया का नारा प्रधानमंत्री मोदी ने दिया था। विपक्षी गठबंधन ने इसे हथिया लिया है। वोट फॉर इंडिया और जीतेगा इंडिया का नारा विपक्षी दल के गठबंधन द्वारा प्रचारित किया जा रहा है। अब इंडिया नाम के विरोध करने से आम जनता के बीच में इसका कोई प्रभाव देखने को नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया के नाम से कई योजनाओं को प्रचारित किया। इंडिया शब्द भारत के सभी राज्यों में बड़ी तेजी के साथ प्रचलित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी रैलियां और चुनाव भाषणों में पिछले वर्षों में इंडिया शब्द का उपयोग करते हुए मतदाताओं को अपनी तरफ आकर्षित किया था। यही इंडिया शब्द अब भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इंडिया को अंग्रेजी भाषा को गुलामी और सम्भ्रान्त कुलीनों की भाषा बताते हुए, इंडिया गठबंधन का जो विरोध किया। वह नागरिकों के पल्ले नहीं पड़ रहा है। इंडिया गठबंधन द्वारा जिन 400 सीटों पर भाजपा के मुकाबले उम्मीदवार खड़े किए जा रहे हैं। यहां पर पहले भाजपा का कोई जनाधार नहीं था। वोटों के बंटवारे और क्षेत्रीय पार्टियों की लड़ाई का लाभ भाजपा को पिछले चुनाव में मिला था। 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्यों के ताकतवर क्षेत्रीय राजनीतिक दल इंडिया गठबंधन से जुड़ चुके हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी को सबसे ज्यादा चुनौती, इन्हीं 400 लोकसभा सीटों से मिलने जा रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ इत्यादि राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के बीच में सीधी लड़ाई है। दक्षिण के राज्यों में आंध्र, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु इत्यादि राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का कर्नाटक को छोड़कर बाकी जगह कोई प्रभाव देखने में नहीं मिलता है। उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड इत्यादि राज्यों में इंडिया गठबंधन से जुड़े राजनीतिक दल प्रभावी भूमिका में है। वहीं भाजपा के एनडीए गठबंधन से जुड़े हुए राजनीतिक दलों की हैसियत इंडिया के गठबंधन से जुड़े राजनीतिक दलों के मुकाबले में बहुत कमजोर है। अभी तक की स्थिति को देखते हुए यही लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का मुकाबला, इंडिया गठबंधन के साथ होगा। इंडिया गठबंधन में प्रधानमंत्री पद को लेकर जिस दावेदारी की आशंका थी। इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव के बाद सांसदों की बैठक में नेता पद का चुनाव का चयन करने की बात कहकर, व्यक्तिगत मुकाबले से, लोकसभा चुनाव में दूरी बना ली है। मोदी की छवि को खंडित करने के लिए इंडिया गठबंधन के नेताओं ने महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक धार्मिक सद्भाव को लेकर जो लड़ाई लड़ी जा रही है। उसका आम मतदाताओं में अब असर होता हुआ दिख रहा है। पिछले 9 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र में सत्ता हैं। जो वायदे उन्होंने 2013-14 से लेकर अभी तक किए हैं। वह वायदे सपनो पर आधारित साबित हो रहे है। जिसके कारण भाजपा विश्वसनीयता के संकट के दौर से गुजर रही है।

त्योहारों से पूर्व नेपाल भारत से 20,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करेगा

काठमांडू । नेपाल सरकार ने घरेलू मांग पूरा करने विजयादशमी और दीपावली सहित आगामी त्योहारों से पहले भारत से 20,000 मीट्रिक टन (एमटी) चीनी आयात करने की योजना बनाई है। उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए 60,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करने के लिए सीमा शुल्क छूट देने का आग्रह किया था, लेकिन वित्त मंत्रालय ने फिलहाल केवल 20,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करने की अनुमति ही दी है। वित्त मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक मंत्रालय ने सीमा शुल्क पर 50 प्रतिशत की छूट दी है, यानी यह पहले लगाए गए 30 प्रतिशत सीमा शुल्क से 15 प्रतिशत कम। उन्होंने कहा' कि दो कंपनियां साल्ट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एसटीसी) और फूड मैनेजमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी दोनों आगामी त्योहारी सीजन के लिए 10-10 हजार मीट्रिक टन चीनी का आयात करेंगी। हालांकि, एसटीसी के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि सरकार से 50,000 मीट्रिक टन चीनी आयात करने की अनुमति मांगी गई है। नेपाल की चीनी की घरेलू मांग 3,00,000 मीट्रिक टन है और उसे मुख्य रूप से भारत से भारी मात्रा में चीनी आयात करने की आवश्यकता है। नेपाल में 12 चीनी कारखाने हैं जो करीब 1,00,000 मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन करते हैं।

सरकार ने गिफ्ट सिटी में निवेश ट्रस्ट, ईटीएफ को पूंजी लाभ कर से छूट दी

नई दिल्ली । केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (कोष प्रबंधन) विनियमन, 2022 के तहत शुरू निवेश ट्रस्ट की किसी भी यूनिट और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की यूनिट को पूंजीगत लाभ कर से छूट देने को लेकर अधिसूचना जारी की है। अंतराष्ट्रीय वित्त सेवा केंद्र के रूप में स्थापित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-(गिफ्ट) सिटी को वित्तीय क्षेत्र के लिये एक कर-तटस्थ क्षेत्र के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। नांगिया एंडरसन एलएलपी के साझेदार (वित्तीय सेवाएं) सुनील गिडवानी ने कहा कि मौजूदा कानून के तहत विभिन्न प्रतिभूतियों पर पूंजीगत लाभ कर से छूट प्रदान की गई है। गिफ्ट सिटी में शेयर बाजारों में कारोबार या गिफ्ट सिटी में स्थापित इकाइयों द्वारा जारी प्रतिभूति पर कर छूट दी गई है। नई कोष व्यवस्था के तहत कोष को निवेश ट्रस्ट के रूप में स्थापित करने का प्रावधान है। इसीलिए, कानून में पूंजीगत लाभ से छूट के उद्देश्य से ऐसे ट्रस्टों द्वारा जारी यूनिट को शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा क इसी प्रकार गिफ्ट सिटी में स्थित एक्सचेंज पर सूचीबद्ध और कारोबार करने वाले ईटीएफ अब पूंजीगत लाभ कर छूट के लिए पात्र होंगे। इन बदलावों से आईएफएससी में फंड और शेयर बाजार कारोबार के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों का दायरा और बढ़ जाएगा।

हरियाणा में जमीन खरीदने नया पोर्टल पेश

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सरकारी परियोजनाओं के लिए भूस्वामियों की सहमति से जमीन खरीदने नया ई-भूमि पोर्टल पेश किया। खट्टर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जमीन खरीद की प्रक्रिया को भूस्वामियों की मर्जी से पारदर्शी तरीके से पूरा करना है। उन्होंने कहा कि किसानों के अलावा एग्रीगेटर भी अपनी जमीन की पेशकश इस पोर्टल पर कर सकेंगे। एग्रीगेटर को आयकरदाता होने के साथ उसके पास परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नए पोर्टल पर की गई जमीन की पेशकश छह महीने तक मान्य होगी। पूरी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने और समन्वय करने के लिए प्रत्येक विभाग और जिला स्तर पर नोडल अधिकारियों को चिह्नित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी परियोजनाओं के लिए जमीन खरीद की पूरी प्रक्रिया को तीन महीने से लेकर छह महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अर्टिगा कार ने दर्ज की रिकॉर्डतोड़ सेल

-7 सीटर कारों की अच्छी डिमांड

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी अर्टिगा और एक्सएल6 सेल करती है। ये दोनों ही कारें इंडिया में खूब पसंद की जाती है। खासतौर पर अर्टिगा को ग्राहकों का खूब प्यार कई सालों से मिल रहा है। इसके अलावा किआ केरेन्स ने भी कुछ वक्त पहले इस सेगमेंट में एंट्री की है और अर्टिगा को कड़ी टक्कर दे रही है। यहां हम आपको अगस्त में सेल हुई 7 सीटर्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं कि कौन सी कार सेल्स चार्ट में किस नंबर पर रही। अगस्त में सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर मारुति सुजुकी अर्टिगा रही। इस एमपीवी की 12 से ज्यादा यूनिट्स पिछले महीने सेल हुईं। इस 7 सीटर को टक्कर मिली महिंद्रा की स्कॉर्पियो से। स्कॉर्पियो की 9,898 यूनिट्स पिछले महीने बिकीं। यानी दोनों कारों के बीच में सेल अंतर लगभग ढाई हजार यूनिट्स का था। इससे आप अर्टिगा की लोकप्रियता का अंदाजा लगा सकते हैं। इस लिस्ट में सबसे नीचे रही हुंडई अल्कजार जिसकी सिर्फ 1,493 यूनिट्स सेल हुईं। टॉप 10 कारों में मारुति की 2, महिंद्रा की 3, टोयोटा की 2, एक कार रेनो की और एक हुंडई की रही।

आने वाले समय में कुछ नई सीटर्स मॉडल्स एक एंट्री इस सेगमेंट में होने वाली है जिससे कॉम्पटिशन तेज होने की उम्मीद है। बता दें कि इंडिया में 7 सीटर कारों की अच्छी डिमांड है। इस सेगमेंट के लिए यहां के मार्केट में काफी बड़ा कस्टमर बेस मौजूद है। हालांकि, बीते कुछ समय में इस 7 सीटर्स की डिमांड में काफी बढ़ोतरी हुई है। यही कारण है कि कई नई कंपनियां भी इस सेगमेंट में अपने मॉडल्स ला रही हैं।

इस साल टेस्ला भारत से 1.9 अरब डॉलर के ऑटो पार्ट खरीदेगी

मुंबई । एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी टेस्ला अब भारत से आटोपार्ट्स खरीदने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता टेस्ला की इस साल करीब 1.9 अरब डॉलर मूल्य के आटोपार्ट्स के खरीद की योजना है। ये जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दी है। ये पहली बार नहीं है जब टेस्ला भारत से आटोपार्ट्स खरीदने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले पिछले साल एक अरब डॉलर के आटोपार्ट्स टेस्ला ने भारत से खरीदे थे। इस बार ये आंकड़ा लगभग दोगुना हो सकता है। गोयल ने यहां वाहन कलपुर्जे विनिर्माताओं के संगठन (एक्मा) के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि टेस्ला की तरह अन्य इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों की तरफ से भी मांग बढ़ने वाली है जिससे इस क्षेत्र की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा।

इलेक्ट्रिक वर्जन ईसी3 इलेक्ट्रिक की बाजार में लांचिंग

-अब तक की सबसे फीचर लोडेड कार होगी

नई दिल्ली । फ्रेंच कार निर्माता सिट्रोएन अपनी सी3 कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ इलेक्ट्रिक वर्जन ईसी3 इलेक्ट्रिक की भी बिक्री कर रही है। सी5 एयरक्रॉस भी कंपनी के डोमेस्टिक पोर्टफोलियो में मौजूद है। अब सी 3 एयरक्रॉस भी इस पोर्टफोलियो में जुड़ने जा रही है और कंपनी की अब तक की सबसे फीचर लोडेड कार होगी। सी3 एयरक्रॉस के लिए बुकिंग इसी महीने शुरू होने वाली है। वहीं इसका ऑफिशियल लॉन्च अक्टूबर की शुरुआत में होने की उम्मीद है। सी 3 एयरक्रॉस को कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में सी3 कॉम्पैक्ट हैचबैक से ऊपर प्लेस किया जाएगा। हालांकि, दोनों कारों के बीच में कई कॉमन फीचर्स मौजूद होंगे लेकिन ओवरऑल यह सी3 हैचबैक की तुलना में ज्यादा प्रीमियम कार होगी। यह एक मिड साइज एसयूवी होगी जो सीएमपी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी। इसे कंपनी लोकल लेवल पर डिवेलप कर रही है। कार में 90 पर्सेंट लोकल कंटेंट का इस्तेमाल किया गया है। इसे तमिलनाडु के पीएसए प्लांट में मैन्युफैक्चर किया जा रहा है। इस कार की कीमत के बारे में ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है लेकिन माना जा रहा है कि कंपनी तगड़े कॉम्पटिशन को देखते हुए इसकी अग्रेसिव प्राइसिंग करेगी जिससे ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके। इस कार को कंपनी सीटिंग के आधार पर 2 लेआउट्स में मार्केट में लॉन्च करेगी। यह कार 5 सीटर और 7 सीटर दो लेआउट्स के विकल्प के साथ आने वाली है। 7 सीटर मॉडल में थर्ड रो को अपनी सुविधानुसार अडजस्ट किया जा सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 52 , निफ्टी 33 अंक ऊपर आया

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी बढ़त पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार रिकार्ड तेजी पर बंद हुआ था। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू बाजार में भी लिवाली (खरीददारी) जारी रहने से आया है। तेल एवं गैस तथा जिंस शेयरों में खरीदारी से भी अंतिम घंटे में लिवाली से बाजार को बल मिला है। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में एक फीसदी की बढ़त आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 52.01 अंक करीब 0.08 फीसदी ऊपर आकर 67,519.00 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 67,771.05 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद ये 67,336.46 तक फिसल गया। वहीं, दूसरी ओर निफ्टी में भी 33.10 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की बढ़त आई। निफ्टी दिन के अंत में 20,103 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,167.65 तक ऊपर जाने के बाद 20,043.45 तक गिरा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एमएंडएम, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया और पावर ग्रिड सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। एमएंडएम के शेयरों को सबसे अधिक 2.56 फीसदी तक लाभ हुआ।

वहीं, दूसरी तरफ ओर 14 शेयर नुकसान के साथ ही गिरे हैं। एशियन पेंट्स, आईटीसी, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल सेंसेक्स के सबसे

अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। एशियन पेंट्स के शेयर करीब 1.04 फीसदी तक गिरे।

दूसरी ओर अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया जबकि यूरोपीय बाजारों की बात करें तो शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी बाजार में बुधवार को मिला-जुला रुख रहा। गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,631.63 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे पहले आज सुबह बाजार नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुले हैं। सेंसेक्स 2227.30 अंक की बढ़त के साथ 67,694.29 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 73.25 अंक की बढ़त के साथ 20,143.25 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। बाजार की तेजी में मेटल स्टॉक्स सबसे आगे चल रहे हैं, जिसमें टाटा स्टील का शेयर 2 फीसदी की तेजी के साथ टॉप गेनर बना। जबकि एफएमसीजी सेक्टर में बिकवाली है। प्री-ओपनिंग में शेयर बाजार में मजबूती देखने को मिली

मंत्रिमंडल ने सुवेन फार्मा में 9,589 करोड़ के एफडीआई को मंजूरी दी

- कंपनी एफडीआई का इस्तेमाल क्षमता विस्तार पर करेगी

नई दिल्ली । सरकार ने साइप्रस की बेरहायन्दा लिमिटेड के सुवेन फार्मास्युटिकल्स में 9,589 करोड़ रुपए तक के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी दे दी। कंपनी इस राशि का इस्तेमाल क्षमता विस्तार पर करेगी, जिससे रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह मंजूरी अनिवार्य खुली पेशकश के माध्यम से मौजूदा प्रवर्तक शेयरधारकों और सार्वजनिक शेयरधारकों से शेयरों के हस्तांतरण के माध्यम से बेरहायन्दा लि. द्वारा सुवेन फार्मास्युटिकल्स के 76.1 प्रतिशत शेयर के अधिग्रहण के लिए है। प्रस्ताव का आकलन बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और अन्य संबंधित एजेंसिया कर चुकी हैं। बयान के अनुसार, सुवेन में कुल विदेशी निवेश 90.1 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। बेरहायन्दा लिमिटेड में संपूर्ण निवेश एडवेंट फंड्स के पास है, जो विभिन्न लिमिटेड पार्टनर्स (एलपी) से निवेश एकत्र करता है। एडवेंट फंड्स का प्रबंधन अमेरिका में निगमित इकाई एडवेंट इंटरनेशनल कॉरपोरेशन द्वारा किया जाता है।

1984 में स्थापित एडवेंट इंटरनेशनल कॉरपोरेशन ने 42 देशों में लगभग 75 अरब डॉलर का निवेश किया है। एडवेंट इंडिया ने 2007 में भारत में निवेश शुरू किया और यह अब तक स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सेवाओं, औद्योगिक विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं और आईटी सेवा क्षेत्रों की 20 भारतीय कंपनियों में लगभग 34,000 करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि संबंधित विभागों, आरबीआई और सेबी की तरफ से प्रस्ताव की जांच के बाद मंजूरी दी गई है। यह इस संबंध में लागू सभी नियमों के पूरा होने पर निर्भर है।

हरित हाइड्रोजन के विपणन के लिए अडाणी समूह ने कोवा से किया समझौता

नई दिल्ली । हरित हाइड्रोजन की बिक्री के लिए अडाणी समूह ने जापान, ताइवान और हवाई के बाजारों में जापान के कोवा समूह के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की। संयुक्त उद्यम में अडाणी और कोवा की 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। उद्योगपति गौतम अडाणी नीत समूह भारत में एकीकृत हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए अगले 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर तक का निवेश करेगा। इसमें शुरुआती चरण में 10 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन शामिल है जिसे बाद में बढ़ाकर 30 लाख टन किया जाएगा।समूह की ओर से जारी एक बयान के अनुसार अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, अडाणी ग्लोबल पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) ने हरित अमोनिया, हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव की बिक्री तथा विपणन के लिए कोवा होल्डिंग्स एशिया पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) की घोषणा की है। इसमें दोनों की 50-50 प्रतिशत साझेदारी होगी। संयुक्त उद्यम जापान, ताइवान और हवाई में उत्पादों के विपणन पर ध्यान केंद्रित करेगा।

गूगल ने फिर किया गया सैंकड़ों कर्मचारियों को बाहर

- अल्फाबेट ने जनवरी में लगभग 12,000 नौकरियों में कटौती की थी

मुंबई । गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने एक बार फिर छंटनी की है। कंपनी ने इस बार अपनी ग्लोबल रिक्रूटमेंट टीम से सैकड़ों कर्मचारियों को बाहर कर दिया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कर्मचारियों की छंटनी करने वाली अल्फाबेट पहली कंपनी बन गई है। साल 2023 की शुरुआत में टेक कंपनियों ने छंटनी शुरू की थी और कर्मचारियों को निकालने का दौर अभी थमा नहीं है। अल्फाबेट के साथ ही मेटा और अमेजन सहित कई दिग्गज टेक कंपनियां पहले भी बहुत से कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्फाबेट ने सैकड़ों पदों को समाप्त करने का फैसला लिया है। यह व्यापक पैमाने पर छंटनी का हिस्सा नहीं है। महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए टीम की संख्या को बरकरार रखा जाएगा। अल्फाबेट ने जनवरी में भर्ती और इंजीनियरिंग टीमों में लगभग 12,000 नौकरियों में कटौती की थी। कर्मचारियों की ये छंटनी दुनिया भर में की गई थी, जो कुल वर्कफोर्स का लगभग 6 फीसदी है। अमेजन की ओर से 18,000 नौकरियों में कटौती का एलान किया गया था। माइक्रोसॉफ्ट ने भी 10,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

अमेरिका सहित दुनियाभर में कंपनियां कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही हैं। दिग्गज कंपनियों के साथ-साथ स्टार्टअप्स ने भी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में ग्रे और क्रिसमस नौकरी में कटौती अगस्त में जुलाई से तीन गुना से अधिक और एक साल पहले की अवधि की तुलना में लगभग चार गुना बढ़ गई है। एक सर्वे में इक्नोमिस्ट ने अनुमान लगाया था कि अमेरिका में बेरोजगारी लाभ के लिए नए दावों में 9 सितंबर को समाप्त सप्ताह में लगभग 8 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की टेक कंपनियां अपने ऑपरेशन को रेशनालाइज बनाने, कॉस्ट कटिंग करने और एफिशिएंसी लाने के लिए नौकरियों में कटौती कर रही हैं। यही वजह है कि गूगल के अलावा अमेजन, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कई टेक कंपनियां ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों को बाहर का रास्ता इस साल दिखाया है।

बाजार में 3,000 करोड़ रुपए के चार आईपीओ दस्तक देंगे

आईपीओ से कंपनियां 4,673 करोड़ रुपए जुटाएंगी

नई दिल्ली। इस हफ्ते चार आईपीओ बाजार में आने वाले हैं, जिनसे कंपनियां 4,673 करोड़ रुपए जुटाएंगी। अगले हफ्ते भी करीब 3,000 करोड़ रुपए के चार आईपीओ बाजार में दस्तक देंगे। आरआर केबल, सैमी होटल्स, जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज और यात्रा ऑनलाइन का निर्गम इस हफ्ते बाजार में आने के लिए तैयार है। इसी तरह सिग्नेचर ग्लोबल, अपडेटर सर्विसेज, साई सिल्क्स (कलामंदिर) और वैभव ज्वैलर्स के निर्गम अगले हफ्ते आएंगे। बाजार में आईपीओ की सरगर्मी बढ़ने के कई कारण हैं। बाजार में उछाल, आईपीओ की मांग बढ़ने और तिमाही नतीजों में खुलासे के लिए खास नियम से कंपनियां आईपीओ लाने में तेजी दिखा रही हैं।

निफ्टी आज 20,084 पर पहुंच गया, जो आंकड़ा उसने पहले कभी नहीं छुआ था। सेंसेक्स भी लगातार 9वें कारोबारी सत्र में बढ़त पर बंद हुआ। दोनों सूचकांक पिछले 9 सत्र में करीब 4 फीसदी चढ़ चुके हैं। विशेषज्ञों ने कहा है कि शेयर बाजार में मजबूती से कंपनियों को निर्गम लाने का हौसला मिल गया है। आईपीओ बाजार में हालिया तेजी के तकनीकी कारण भी हैं। जो कंपनियां इस महीने अपना आईपीओ लाने से चूक जाएंगी, उन्हें अप्रैल-जून तिमाही का वित्तीय ब्योरा भी अपने आईपीओ मसौदे (डीआरएचपी) में शामिल करना होगा। नियामकीय दिशानिर्देश के मुताबिक अगर आईपीओ दस्तावेज में वित्तीय आंकड़े दो तिमाही से ज्यादा पुराने हैं तो कंपनियों को निर्गम लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बैंकरों का कहना है कि अंडिट किए गए तिमाही आंकड़ों को अपडेट करने में कम से कम चार हफ्ते का वक्त लग सकता है जिससे कंपनियों के सामने बाजार में उतारचढ़ाव का जोखिम आ सकता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

- ब्रेंट क्रूड ऑयल 92.25 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियों की ओर से गुरुवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एक साल से भी अधिक समय से पेट्रोल और डीजल के दाम समान बने हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत में उतार चढ़ाव का सिलसिला जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के दाम में 0.43 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है और यह 88.90 डॉलर पर है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत में 0.40 फीसदी की बढ़त दर्ज की जा रही है और यह 92.25 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

चंडीगढ़ में 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है। अजमेर में पेट्रोल 108.07 रुपए, डीजल 93.35 रुपए लीटर बिक रहा है।

चालू सत्र में 50 फीसदी बढ़ सकती है कच्चे जूट की खरीद

मुंबई । पिछले साल अच्छी फसल होने से भारतीय जूट निगम (जेसीआई) को चालू जूट वर्ष (2023-24) में बीते साल की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक कच्चे रेशे (फाइबर) की खरीद होने की उम्मीद है। जेसीआई को सरकार द्वारा किसानों से कच्चे जूट की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के लिए आदेश दिया गया है। इस साल औसत एमएसपी मूल्य 5,050 रुपए प्रति क्विंटल है। जेसीआई के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि चालू जूट फसल वर्ष 2023-24 में (जुलाई-जून) कच्चे जूट की खरीद बहुत अधिक है। सितंबर के मध्य तक, हम पहले ही 2.30 लाख क्विंटल जूट खरीद चुके हैं। हमें उम्मीद है कि यह अभियान पूरे साल चलेगा और कुल खरीद पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत या 6-7 लाख क्विंटल से अधिक की होगी। पिछले वित्त वर्ष के जूट मौसम में जेसीआई ने रिकॉर्ड 4.34 लाख क्विंटल जूट की खरीद की थी। उन्होंने कहा कि जूट की बंपर फसल हुई है और उत्पादन 91 लाख गांठ होने की उम्मीद है। किसानों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार ने बांग्लादेश से आने वाले जूट और बोरी पर डंपिंग रोधी शुल्क लगा दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्टोक्स ने एकदिवसीय में पूरे किये अपने 3,000 रन

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में शानदार शतक के साथ ही अपने 3,000 रन भी पूरे कर लिए। इस मैच में स्टोक्स ने केवल 124 गेंदों में 15 चौकों और नौ छक्कों की मदद से 182 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 146 से अधिक रहा। इसके साथ ही स्टोक्स ने जेसन रॉय के अब तक के सबसे अधिक 180 रनों रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया। अब 108 एकदिवसीय में उनके 159 रन हो गये है। ये रन उन्होंने 40.50 की औसत और 96.36 की स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 93 पारियों में चार शतक और 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस मैच में स्टोक्स ने डेविड मलान 96 रन के साथ तीसरे विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी की और कप्तान जोस बटलर 38 रन के साथ चौथे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की। जिसने इंग्लैंड की टीम 48.1 ओवर में 368 रन बनाने में सफल रही। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट बाउल्ट ने 5/51 और बेन लिस्टर 3/69 न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। इसके बाद जीत के लिए 339 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम 39 ओवरों में ही 187 रनों पर आउट हो गयी।

एशिया कप के सुपर फोर में

भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला आज

कोलंबो ।

भारतीय टीम शुक्रवार को यहां एशिया कप के 'सुपर फोर के अपने अंतिम मुकाबले में बांग्लादेश से खेलेगी। भारतीय टीम पहले ही फाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में उन खिलाड़ियों को अवसर देना रहेगा जो आगामी विश्वकप के लिए संभावित खिलाड़ियों में हैं और उन्हें अभी तक अवसर नहीं मिला है। इसके अलावा लगातार खेल रहे खिलाड़ियों को भी कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया जा सकता है।

विशेष रुप से गेंदबाजों को आराम देने पर विचार होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एशिया कप में अभी तक केवल 12 ओवर ही गेंदबाजी की है जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ पांच और श्रीलंका के खिलाफ सात ओवर शामिल है। अब ये देखना होगा कि वह एक और मुकाबले में गेंदबाजी करना चाहते हैं या फिर सीधे फाइनल में उतरेंगे। वहीं युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस टूर्नामेंट में 19.2 ओवर और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 18 ओवर फेंके हैं। यहां की उमस के कारण गेंदबाजों की काफी परेशानी है, इसलिए टीम प्रबंधन इनमें से एक को आराम दे सकता है। ऐसे में इस मैच में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उतारा जा सकता है। इससे पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे विश्व कप से पहले उन्हें भी गेंदबाजी का अवसर मिल जाएगा। वैसे भी शमी को बुमराह, सिराज और पांड्या के 'बैक-अप तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल किया जा रहा है। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल को इस मैच में अपनी लय हासिल करनी होगी। उन्हें विश्वकप में रविंद्र जडेजा के कवर के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा पर वह पिछले कुछ समय से विकेट नहीं ले पा रहे हैं जिससे प्रबंधन की परेशानी बढ़ गयी है। यहां तक कि वह विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश भी नहीं लगा पा रहे। अक्षर ने इस साल सात एकदिवसीय मैचों में छह के इकोनोमी रेट से केवल तीन विकेट ही लिए हैं। इस प्रकार उन्हें अपने खेल को बेहतर करना होगा। बल्लेबाज केएल राहुल के फिट होने से टीम प्रबंधन को राहत मिली है। राहुल ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी कर अपने लय में होने के संकेत भी दिये हैं। श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद राहुल ने टीम प्रबंधन से अपनी भूमिका को लेकर बात की। इससे साफ है कि वह मुख्य विकेटकीपर के साथ ही मध्यक्रम के बल्लेबाज होंगे। इसलिए यह माना जा सकता है कि राहुल बांग्लादेश के खिलाफ भी बल्लेबाजी करेंगे हालांकि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का खेलना संदिग्ध है क्योंकि उनकी पीठ में जगड़न है। इसी कारण वह पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ 'सुपर फोर मैच में नहीं खेल पाए थे। इस मैच में बल्लेबाज ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। ईशान ने अभी तक एकदिवसीय में अच्छी बल्लेबाजी की है पर सूर्यकुमार इस प्रारूप में अपने को साबित नहीं कर पाये है। इसे बाद भी उन्हें एकदिवीय विश्वकप के लिए शामिल किया गया है।

काउंटी चैम्पियनशिप : उनादकट की शानदार गेंदबाजी से ससेक्स जीती

लंदन ।

भारतीय गेंदबाज जयदेव उनादकट ने इंग्लैंड में खेली जा रही काउंटी चैम्पयनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। जयदेव ने भारत के ही चेतेश्वर पुजारा की कप्तानी वाली ससेक्स क्लब की ओर से कुल नौ विकेट लेकर अपनी टीम की लैस्टरशायर के खिलाफ 15 रनों से जीत में अहम भूमिका निभाई। काऊंटी चैम्पियनशिप डिविजन 2 के इस मैच में लैस्टरशायर को दूसरी पारी में जीत के लिए 500 रन से ज्यादा का लक्ष्य का मिला। उनादकट ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर लैस्टरशायर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच में ससेक्स ने पहले खेलते हुए टॉम हेन्स के 39, कप्तान पुजारा के 26, जेम्स कोल्स के 44 और फिन हडसन-अप्रेंटिस के 65 रनों की सहायता से 262 रन बनाए। इसके जवाब में लैस्टरशायर की टीम ऋषि पटेल के 48 रनों के बाद भी 108 रन ही बना पायी। उनादकट ने पहली पारी में 23 रन देकर तीन विकेट लिए।

वहीं दूसरी पारी खेलने उतरी ससेक्स ने टॉम क्लार्क के 69, जेम्स कोल्स के 63 रनों की बदौलत 344 रन बनाए थे। इस तरह लैस्टरशायर को जीत के लिए 498 रनों का लक्ष्य मिला। लैस्टरशायर की ओर से कोलिन एक्ररमैन ने 136, उमर एमीन ने 94, बेन कोक्स ने 58 और टॉम स्क्रिवेन ने 108 78 रन बनाकर पूरा प्रयास किया पर उनादकट ने अंत में बाजी मार ली।

विश्व कप से पहले चार फिट तेज गेंदबाज होना अच्छा है : भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे

कोलंबो : भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने गुरुवार को कहा कि जसप्रीत बुमराह की वापसी से उनकी तेज गेंदबाजी इकाई मजबूत हुई है और अगले महीने विश्व कप से पहले पूरी तरह से फिट चार तेज गेंदबाज होना टीम के लिए शानदार है। बुमराह ने हाल के आयरलैंड दौरे पर लंबे समय बाद चोट के बाद वापसी की और फिर मौजूदा एशिया कप के दौरान भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। म्हाम्ब्रे ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले भारत के अंतिम 'सुपर फोर' मैच से पहले कहा, 'हम एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) से ही बुमराह की प्रगति देख रहे हैं और हम उसकी रिपोर्ट से खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास चार बेहतरीन गेंदबाज हैं और ऐसे विकल्प होना हमेशा ही अच्छा होता है। ऐसी समस्या होना अच्छा है।' भारत का पहली पसंद का तेज गेंदबाजी आक्रमण बुमराह, मोहम्मद सिराज और हार्दिक पंड्या का है जिससे टीम प्रबंधन को मोहम्मद शमी को बेंच पर बिठाने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'शमी जैसे गेंदबाज को बाहर रखना इतना आसान नहीं है। उसे जितना अनुभव है और उसने देश के लिए जो प्रदर्शन किये हैं, वे शानदार हैं। इस तरह की बातचीत (खिलाड़ी को बाहर रखना) करना कभी भी आसान नहीं होता।' उन्होंने कहा कि यह मुश्किल होता है लेकिन संबंधित खिलाड़ी को स्पष्ट रूप से टीम के फैसले के बारे में बता दिया जाता है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'लेकिन हम खिलाड़ी को इसके बारे में बताने में काफी स्पष्ट रहते हैं। हम जो फैसले लेते हैं, खिलाड़ी इसके बारे में जानते हैं। वे जानते हैं कि यह टीम के फायदे के लिए ही है।'

एशियाई खेलों के लिए 17 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम घोषित, छेत्री होंगे कप्तान

नई दिल्ली।

चीन के हैंगजाउ में 19 सितंबर से शुरु वाले एशियाई खेलों के लिए 17 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम घोषित कर दी गयी है। इस टीम की कप्तानी स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री करेंगे। इस टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गय है। शुरुआत में छेत्री सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ियों का एशियाई खेलों में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा था क्योंकि इनकी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीमें इन्हें रिलीज नहीं करना चाहती थीं पर बाद में वे इन्हें रिलीज करने को तैयार हो गयीं। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि इस साल फुटबॉल का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इंडियन फुटबॉल लीग के साथ ही एशियाई खेल भी होने हैं। इसके अलावा भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सी चीजें हो रही है। इसके बाद मडेर्का कप, विश्व कप क्वालीफायर और एफसी एशियाई कप भी खेला जाएगा। अध्यक्ष ने आईएसएल लीग से रिलीज किए गए खिलाड़ियों के क्लबों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

इस टीम से उन्हें अच्छे प्रदर्शन क उम्मीद है। टीम के कप्तान छेत्री ने पिछले कुछ समय में भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 142 मैचों में कुल 92 गोल किये और और वह विश्व में सबसे अधिक गोल दागने वाले चौथे खिलाड़ी बन गये हैं।

एशियाई गेम्स के लिए भारतीय फुटबॉल टीम

सुनील छेत्री (कप्तान) ,गुरमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरांगथेम, रोहित दानू, गुरकीरत सिंह, अनिकेत जाधव, सुमित राठी, नरेंद्र गहलोत, अमरजीत सिंह कियाम, सैमुअल जेम्स, राहुल केपी, अब्दुल रबीह अंजुकंदन, आयुष देव छेत्री, ब्राइस मिरांडा, अजफर नूरानी, रहीम अली, विंसी बरेटो

संक्षिप्त समाचार

33 साल के हुए सूयकुमार

मुम्बई । टी20 क्रिकेट में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव आज गुरुवार को 33 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने बधाई दी है। सूर्यकुमार ने 31 साल की उम्र में मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। वह अपने असाधारण और साहसी 360-डिग्री शॉट्स के कारण दुनिया भर में लोकप्रिय हो गये हैं। यहां तक कि उनकी तुलना दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज स्टार खिलाड़ी ए बी डिवीलीयर्स से भी हुई है। उन्होंने अब तक 53 मैचों और 50 पारियों में 46.02 की औसत और 172.70 की स्ट्राइक रेट से 1,841 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने टी20 करियर में तीन शतक और 15 अर्द्धशतक लगाये हैं। उनका उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 117 रन है। सूर्यकुमार ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के छह मैचों में 59.75 की औसत से 239 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 190 का है। उन्होंने अब तक तीन अर्धशतक भी लगाये हैं। सूर्या के लिए साल 2022 काफी अच्छा रहा तब उन्होंने टी20आई में शीर्ष पर रहते हुए 31 मैचों में 46.56 की औसत और 187 से अधिक के स्ट्राइक रेट से दो शतक और नौ अर्द्धशतक के साथ ही 1,164 रन बनाए। इन प्रदर्शनों ने उन्हें 2022 में आईसीसी टी20आई प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड भी मिला। सूर्यकुमार का टी20आई स्ट्राइक रेट टी20आई इतिहास में करियर का उच्चतम स्ट्राइक रेट है।

भारत से मिली शर्मनाक हार को लेकर टीम पर भड़के अकमल

कराची । पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारत के हाथों मिली करारी हार को लेकर टीम की कड़ी आलोचना की है। पाक को इस मैच में 228 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में भारत ने 2 विकेट पर 356 रन का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में पाक बल्लेबाज इस स्कोर के करीब भी नहीं पहुंच पाए। इस मैच में पाक बल्लेबाज भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव का मुकाबला नहीं कर पाये। अकमल ने कहा कि पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने आक्रामक रुख न अपनाते हुए रक्षात्मक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, यदि आप विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन चाहते हैं और आप एशिया कप फाइनल में खेलना चाहते तो आपके पास अच्छा रवैया होता। अभी तो ये हालत है कि नीदरलैंड से भी हमें जीत के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। इस मामले में प्रबंधन का रवैया भी लापरवाही भरा रहा है। टीम को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करनी थी पर उसने ऐसा नहीं किया। हमारे बल्लेबाज भी मैदान पर टिकने को तैयार नजर नहीं आये। जिस तरह से शादाब, इफ्तिखार और सलमान आउट हुए। आपको उन्हें पूरे ओवर खेलने और स्कोर को कम से कम 260-280 तक ले जाने के लिए कहना चाहिए था। वे जानते हैं कि पीसीबी उनसे कठिन सवाल नहीं पूछेगा। इसलिए टीम के पास कोई नीति और रणनीति नजर नहीं आयी। अकमल ने कहा, ऐसा लगा हर कोई छुट्टी पर गया है। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आपने एक शीर्ष टीम के खिलाफ स्कूली लड़कों जैसा प्रदर्शन किया है।

अफगानिस्तान ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित की टीम, नवीन-उल-हक की वापसी

गुलबदीन नायब हुए बाहर

काबुल।

अफगानिस्तान ने पांच अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। हशमतुल्लाह शाहिदी को इस टीम का कप्तान बनाय गया है जबकि तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक की टीम में वापसी हुई है। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को इस टीम में जगह नहीं मिली है।

दो साल के बाद वापसी कर रहे नवीन ने अफगानिस्तान की ओर से 7 एकदिवसीय मैचों में 25.42 के औसत से 14 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर गुलबदीन को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के अलावा एशिया कप में भी अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिली है जबकि चोटिल होने के कारण एशिया कप से बाहर रहने वाले अजमतुल्लाह उमरजई को भी टीम में शामिल किया गया है। विश्वकप के लिए टीम में चार ऐसे खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है जो एशिया कप में शामिल थे। गुलबदीन के अलावा करीम जनत, शराफुद्दीन अशरफ और सुलेमान सफी को भी टीम में जगह नहीं मिली है। बाकि वही खिलाड़ी हैं जो एशिया कप में खेल रहे थे। टीम के स्पिन विभाग में राशिद खान, मोहम्मद नबी और युवा खिलाड़ी मुजीब उर रहमान और नूर अहमद शामिली हैं। नवीन

की टीम में वापसी के अलावा फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान और उमरजई के आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी।

अफगानिस्तान टीम इस प्रकार है-

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल, अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी , अब्दुल रहमान, नवीन-उल-हक।

अय्यर का बांग्लादेश के खिलाफ खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में शायद ही खेलें। इस कारण श्रेयस के कमर की जकड़न बढ़ना बताया गया है। अय्यर की कमर की चोट गंभीर नहीं है लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ शुक्रवार को सुपर-4 चरण के मैच में उनका खेलना संदिग्ध है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में भी उनके खेलने पर संशय छा गया है क्योंकि इसके लिए इसी सप्ताह टीम की घोषणा होनी है। चोट और सर्जरी के कारण लंबे समय बाद टीम से बाहर रहे। श्रेयस ने वापसी पर पाकिस्तान और नेपाल के खिलाफ लीग मैच खेले थे पर कमर की जकड़न बढ़ने के कारण वह पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मैच से बाहर थे। प्राप्त जानाकरी के अनुसान श्रेयस की कमर में जकड़न है जिससे फील्डिंग के दौरान उन्हें परेशानी होगी हालांकि उनकी चोट गंभीर नहीं बतायी जा रही। विश्व कप के लिए भारत की संभावित टीम में भी श्रेयस शामिल है पर अब तक वह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाये हैं जिससे टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अगर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेलते हैं तो विश्व कप से पहले उन्हें केवल 2 अभ्यास मैच ही खेलने को मिलेंगे।

बोल्ट ने हेडली का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने अब एकदिवसीय में सबसे ज्यादा बार पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया है। इसी के साथ ही बोल्ट ने दिग्गज ऑलराउंडर रिचर्ड हेडली को पीछे छोड़ा है। अब बोल्ट ने एकदिवसीय में अपनी टीम की ओर से कुल 6 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले ये रिकार्ड हेडली के नाम था जिन्होंने अपने एकदिवसीय करियर में पांच बार 5 विकेट लिए थे। बोल्ट ने द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड के तीसरे एकदिवसीय के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इस मैच में बोल्ट ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। उन्होंने इंग्लैंड के पावरप्ले में दो विकेट लिए और इसके बाद मध्यक्रम व निचले क्रम में भी विकेट निकाले। उन्होंने 9.1 ओवर में 51 रन देकर पांच विकेट लिए। इस गेंदबाज ने जॉनी बेयरस्टो, जो रूट, डेविड मालन, सैम कुरेन और गस एटकिंसन के विकेट लिए। सीरीज के दो मैचों में 8 विकेट के साथ वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने गये।

अनुबंध राशि से ही करोड़ों कमाते हैं भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली ।

भारत में क्रिकेटरों को सबसे अधिक पैसा मिलना है। यहां तक कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटरों से भी भारतीय क्रिकेटर कमाई में आगे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विश्व क्रिकेट में सबसे धनी बोर्ड है और ऐसे में भारतीय क्रिकेटरों का मिलने वाले सालाना अनुबंध की राशि भी सबसे अधिक होती है। अनुबंध के तहत ग्रेड होते हैं और उसी के अनुसार खिलाड़ियों को पैसा मिलता है। सालाना वेतन भी अनुबंध के ग्रेड पर ही निर्भर है हालांकि, मैच फीस हर खिलाड़ी को एक ही बराबर मिलती है। हर ग्रेड में शामिल होने के लिए प्रदर्शन मायने रखता है। अभी भारतीय टीम के पास 4 ग्रेड हैं- ए प्लस , ए, बी और सी। ए प्लस ग्रेड अभी चार खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज जमप्रीत बुमराह और ऑल राउंडर रविंद्र जडेजा को मिला हुआ है। इसमें सबसे अधिक 7 करोड़ की राशि मिलती है। वहीं ए ग्रेड में पांच करोड़ राशि मिलती है। ये ग्रेड हार्दिक पांड्या, आर अश्विन, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत और अक्षर पटेल को मिला है जबकि बी ग्रेड में तीन करोड़ रुपये मिलते हैं। इसमें 6 खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा, के एल राहुल, श्रेयस अय्यर, मोहम्मद सिराज, सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल शामिल हैं। वहीं सी ग्रेड में एक करोड़ रुपये मिलते हैं। इसमें शामिल खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं- उमेश यादव, शिखर धवन, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह और के एस भरत।

इन सभी खिलाड़ियों को एक साल के लिए रखा जाता है। 23 सितंबर को इन खिलाड़ियों का 1 साल का अनुबंध समाप्त होगा।इन सभी खिलाड़ियों को हर मैच खेलने के लिए अलग से फीस दी जाती है. टेस्ट, वनडे और टी-20 के लिए अलग-अलग फीस दी जाती है। खिलाड़ी किसी भी ग्रेड में हो उसे प्रति मैच राशि एक जैसे ही मिलती है। हर टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के लिए 6 लाख और टी-20 मैच के लिए 3 लाख रुपये की फीस इन खिलाड़ियों को दी जाती है। वहीं एशिया कप की बात करें तो टीम के खिलाड़ियों की एशिया कप से कमाई इस बात पर निर्भर करेगी कि टीम कुल कितने मैच खेलती है और उन मैचों को कौन-कौन खिलाड़ी खेलता है. अगर कोई खिलाड़ी किसी मैच में नहीं है तो उसे उस मैच की फीस नहीं मिलेगी।

वेल्लालागे है श्रीलंकाई क्रिकेट का भविष्य: मलिंगा

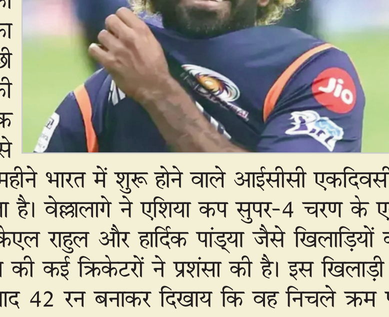

कोलंबो । श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने युवा स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे टीम का भविष्य बताया है। मलिंगा के अनुसार इस क्रिकेटर से टीम को काफी उम्मीदें हैं। मलिंगा ने दुनिथ वेल्लालागे के एशिया कप में शानदार प्रदर्शन को लेकर कहा कि अगले एक दशक में वह श्रीलंकाई टीम का सबसे सफल गेंदबाज होगा। उन्होंने कहा कि दुनिथ अच्छी बल्लेबाज भी करने के कारण एक बेहतरीन ऑलराउंडर की जिम्मेदारी निभा सकता है। इस युवा क्रिकेटर ने अबतक केवल 13 एकदिवसीय मैचों में ही 13.58 की औसत से सबसे अधिक 17 विकेट लिए हैं। बाएं क्रिकेटर अगले महीने भारत में शुरू होने वाले आईसीसी एकदिवसीय पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भी अहम भूमिका निभा सकता है। वेल्लालागे ने एशिया कप सुपर-4 चरण के एक मुकाबले में शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को आउट कर सबको हैरान कर दिया था। उनके इस प्रदर्शन की कई क्रिकेटरों ने प्रशंसा की है। इस खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ न केवल पांच विके लिए बल्कि नाबाद 42 रन बनाकर दिखाय कि वह निचले क्रम पर बल्लेबाजी भी संभाल सकते हैं।

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम – अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम – कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण – हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण – आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण – घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित ह्रदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण – ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज – थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कनाडाई पीएम ट्रूडो की हालात खराब, ताजा सर्वे में पिछड़ते दिख रहे, मंहगाई से जनता परेशान

आटोवा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस विचार को खारिज कर दिया कि वह खराब वोटिंग प्रतिशत के कारण पद छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास अभी भी करने के लिए बहुत काम है, लेकिन जीवनयापन की लागत के बारे में जनता की शिकायत को स्वीकार किया। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि नौ साल तक सत्ता में रहने के बाद, वामपंथी झुकाव वाले उदारवादी आधिकारिक विपक्षी परंपरावादियों से बुरी तरह पिछड़ रहे हैं और अगर अब चुनाव हुए तब वे सत्ता गंवा सकते हैं। हालाँकि ट्रूडो का केंद्र के छोटे वामपंथी न्यू डेमोक्रेट्स के साथ एक समझौता है, जो उन्हें अक्टूबर 2025 तक शासन करने की अनुमति देगा, यह समझौता गैर-बाध्यकारी है और इससे पहले ही टूट सकता है। जब ट्रूडो से पूछा गया कि क्या उन्होंने पद छोड़ने पर विचार किया है, तब उन्होंने कहा, कि हम अगले चुनाव से दो साल दूर हैं। मैं अपना काम करना जारी रख रहा हूं। बहुत सारे महत्वपूर्ण काम करने हैं... जब उस काम की बात आती है तब मैं उत्साही और अथक रहता हूं। हालांकि बढ़ती महंगाई की वजह लोगों में उनके खिलाफ पनप रहे गुस्से को उन्होंने जरूर स्वीकार किया। कंजर्वेटिवों ने ट्रूडो पर लापरवाह सरकारी खर्च के माध्यम से मुद्रास्फीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने शिकायत की कि आवास लगातार अप्राप्य होता जा रहा है। उदारवादी विधायकों ने कहा कि गुमनाम रूप से शिकायत की है कि ट्रूडो की टीम के पास कंजर्वेटिव हमलों का खंडन करने की कोई योजना नहीं है जो जीवनयापन की उच्च लागत पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार ने चंद्रयान का उड़ाया मजाक, बताई बौद्धिक क्षमता की कमी

कीव। जी20 सम्मेलन की सफलता से यूक्रेन बौखला गया है। यही वजह है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने भारत के लोगों को कम अक्ल बता दिया है। उन्होंने भारत ही नहीं चीन के लोगों को भी कमजोर बौद्धिक क्षमता वाला बताया है। चंद्रयान का मजाक उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग जो कदम उठाते हैं उसके बारे में नहीं जानते की परिणाम क्या होने वाला है। सलाहकार के अनुसार चीन और भारत के लोगों की बौद्धिक क्षमता कम है। पोडोल्याक ने कहा, भारत और चीन के साथ समस्या यह है कि ये लोग जो करते हैं उसके परिणाम पर विचार नहीं करते। इन देशों के पास बहुत ही कमजोर बौद्धिक क्षमता है। उन्होंने कहा, हां यह सही है कि वे लोग विज्ञान में निवेश करते हैं। भारत ने लूनर रोवर लॉन्च किया जो कि चांद की सतह पर है लेकिन इससे यह नहीं पता लगता कि उन्हें आधुनिक दुनिया को समझने की क्षमता है। इस प्र?तिक्रिया के बाद पोडोल्याक का एक पुराना वीडियो में भी वह चंद्रयान-3 मिशन की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि चंद्रयान मिशन की सफलता का मतलब यह नहीं कि भारत के लोग बहुत समझदार हैं। बता दें कि इसी साल अप्रैल में यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने देवी काली की एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की थी जिसपर विवाद हो गया था। यहां गौरतलब है ?कि भारत ने रूस और यूक्रेन के युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाया है और इसी से यूक्रेन को दिक्कत है। वह चाहता है कि भारत खुलकर रूस का विरोध करे और तेल का आयात भी रोक दे। इसी को लेकर यूक्रेनी लोग वहां रहने वाले भारतीयों को भी परेशान करते हैं।

पुतिन ने किम के निमंत्रण को स्वीकार किया, चिंता में अमेरिका

सोल। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के देश की यात्रा के निमंत्रण को स्वीकार किया है। वोस्तोचन अंतरिक्ष बंदरगाह पर उनके शिखर सम्मेलन के बाद किम ने उन्हें उत्तर कोरिया आने का निमंत्रण दिया। प्योंगयांग की मीडिया ने इसकी जानकारी दी। लोकल मीडिया ने कहा कि किम ने शिखर वार्ता के बाद पुतिन के साथ आधिकारिक रात्रिभोज में ये निमंत्रण दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अप्रैल 2019 में व्लादिवोस्तोक की यात्रा के बाद पुतिन के साथ किम की यह पहली मुलाकात थी। रिपोर्ट के अंत में, किम जोंग-उन ने पुतिन को अपनी सुविधा के अनुसार उत्तर कोरिया का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। पुतिन ने निमंत्रण को स्वीकार कर रूस-उत्तर कोरिया मित्रता के इतिहास और परंपरा को आगे बढ़ाने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। शिखर सम्मेलन तब हुआ जब प्योंगयांग हाल ही में दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के बीच बढ़ते सुरक्षा सहयोग के बीच मास्को के साथ सैन्य संबंधों को मजबूत करने और अपने हथियारों के विकास को दोगुना करने की कोशिश कर रहा है। बैठक के दौरान किम ने कहा कि रूस की उनकी यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को उच्च स्तर तक बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। मीडिया ने किम के हवाले से कहा, उत्तर कोरिया-रूस संबंधों के अत्यधिक महत्व देना और हमेशा गहरी दोस्ती की परंपरा को विकसित करना उत्तर कोरिया सरकार का हमेशा से रुख रहा है। दोनों पक्षों ने साम्राज्यवादियों की सैन्य धमकी और उकसावे को विफल करने के लिए साझा मोर्चे पर सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, रात्रिभोज के स्वागत के दौरान पुतिन ने कहा कि द्विपक्षीय संबंध हमेशा की तरह मित्रवत और अच्छे पड़ोसी संबंधों पर केंद्रित है।

व्हाइट हाउस का बयान, जो बाइडेन ने कुछ भी गलत नहीं किया

वॉशिंगटन। जो बाइडेन पर महा अभियोग को लेकर व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि जो बाइडेन ने कुछ भी गलत नहीं किया है। बता दें कि रिपब्लिकन सांसदों द्वारा राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने के बाद व्हाइट हाउस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रेस सचिव ने आरोपों का खंडन कर उनका बचाव किया है। 80 वर्षीय बाइडेन से बुधवार को पत्रकारों ने इन आरोपों पर सवाल किया, लेकिन उन्होंने इस पर अपनी चुप्पी साधे रखी। हालांकि उनके प्रवक्ता ने कहा कि यह राजनीतिक दुश्मनों द्वारा रची गई साजिश है। बाइडन के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने पत्रकारों से कहा, कि उन्होंने पूरा साल राष्ट्रपति की जांच में बिताया है, और उनके पास कोई सबूत नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति ने कुछ भी गलत नहीं किया है। जीन-पियरे ने कहा कि रिपब्लिकन के पास महाभियोग जांच को मंजूरी देने के लिए सदन में वोट के लिए भी पर्याप्त समर्थन नहीं था। यहां तक कि हाउस रिपब्लिकन ने भी कहा है कि पर्याप्त सबूत मौजूद नहीं है। यह एक राजनीतिक स्टंट है। जीन-पियरे के मुताबिक अब तक कोई विश्वसनीय सबूत सामने नहीं आया है कि राष्ट्रपति बाइडन किसी भी अवैध काम में शामिल हुए हों। गौरतलब है कि अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने कहा था कि वह सदन की एक समिति को राष्ट्रपति जो बाइडन के परिवार के व्यापारिक सौदों को लेकर उनके खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने का निर्देश दे रहे हैं। हालांकि बाइडन पर महाभियोग जांच शुरू करने के लिए सदन में एक तिहाई बहुत की जरूरत है, जो कि कम है। यह मामला राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन के कारोबारी सौदों से संबंधित है।

दस वर्षीय बेटी की लाश को लंदन में छोड़ मां-बाप भागे पाकिस्तान, किया गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन में अपनी दस वर्षीय बेटी की लाश को छोड़कर मां-बाप पाकिस्तान भाग गए। इसके बाद पुलिस ने लड़की के परिवार के तीन सदस्यों को हत्या के संदेह में पाकिस्तान से गिरफ्तार किया। इसे बाद उन्हें ब्रिटेन ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें पुलिस हिरासत में ले लिया गया। मिली जानकारी के अनुसा सारा शरीफ 10 अगस्त को लंदन के दक्षिणी बाहरी इलाके वोकिंग में अपने घर पर मृत पाई गई थी और उनके शरीर पर चोट के काफी सारे निशान थे। ब्रिटेन की पुलिस ने सारा के पिता उरफान शरीफ, उसकी पत्नी बेनाश बतूल और उसके भाई फैजल मलिक की पहचान उन लोगों के रूप में की जिनसे वे जांच के लिए पूछताछ करना चाहते थे। पुलिस को लड़की का शव मिलने से एक दिन पहले तीनों पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद चले गए थे। दंपति मध्य पाकिस्तान में छिप गए थे जबकि पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी थी। बाद में उन्हें पाकिस्तान में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और संघीय जांच एजेंसी को सौंप दिया। एजेंसी उन्हें पूर्वी पंजाब प्रांत के सियालकोट से ब्रिटेन ले गई। पुलिस ने कहा कि 41 और 28 साल के दो पुरुषों और 29 वर्षीय महिला को विमान से उतरने के बाद हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया। वे फिलहाल हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने कहा, 'यह बेहद तेजी से आगे बढ़ रही है, चुनौतीपूर्ण और जटिल जांच रही है और हम सारा की मौत की गहन जांच करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ब्रिटेन की पुलिस ने पहले एक बयान में कहा था कि लड़की के शव परीक्षण से मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि उसे 'कई गंभीर चोटें आई थीं और प्रतीत होता था उसे लंबे समय तक प्रताड़ित किया जा रहा था।

यूक्रेन में रुसी मिसाइल दागे जाने के बाद कई वाहनों में आग लग गयी।

खालिस्तान समर्थक पन्ननू ने कहा, पीएम ट्रूडो हमारे साथ, 29 अक्टूबर को होगा जनमत संग्रह

ओटावा। अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कोलंबिया के सरे शहर में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के मतदान के लिए एक नई तारीख की घोषणा की है। जनमत संग्रह 29 अक्टूबर को होगा। यह घटनाक्रम कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे द्वारा खालिस्तान समर्थक गतिविधियों पर अपनाए गए रुख के कुछ दिनों बाद आया है। एसएफजे के कानूनी वकील गुरपतवंत पन्नून ने कहा कि जी20 के दौरान पीएम ट्रूडो ने खालिस्तान के लिए शांतिपूर्वक वकालत करने के कनाडाई सिखों के अधिकार का बचाव किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के इतर 10 सितंबर को पीएम ट्रूडो के साथ अपनी अलग बैठक के दौरान नई दिल्ली को कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में मजबूत चिंताओं से अवगत कराया था। हालाँकि, दिल्ली में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, ट्रूडो ने कहा, प्रवासी कनाडाई हमारे देश का एक बड़ा हिस्सा हैं, और उन्हें उन कई देशों के हस्तक्षेप के बिना खुद को अभिव्यक्त करने और अपनी पसंद बनाने में सक्षम होना चाहिए जिनके बारे में हम जानते हैं कि वे इसमें शामिल हैं। इस बीच, पोइलिवरे ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मैं एकजुट भारत में विश्वास करता हूं जैसे मैं एकजुट कनाडा में विश्वास करता हूं। लेकिन मेरा मानना है कि लोगों को असहमत होने की भी आजादी है। पोइलिवरे ने कहा कि आप कोई भी राय व्यक्त कर सकते हैं, यहां तक कि वे राय भी जिनसे मैं सहमत नहीं हूं, और उन राय को शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त किया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें स्वतंत्र रूप से व्यक्त किया जा सकता है।

डूबने की कगार पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस, ईंधन नहीं होने से कई उड़ानें रद्द, स्टाफ को भी नहीं दे पा रहे सैलरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की आर्थिक हालत इतनी खराब हो चुकी है कि उसकी सबसे बड़ी एयरलाइंस पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) डूबने वाली है। हालत ये है कि एयरलाइंस की विमान उड़ान भर रही है, उनमें ईंधन भरवाने के लिए भी पाकिस्तान की सरकार के पास पैसे नहीं हैं। डॉन की रिपोर्ट है कि अगले कुछ महीनों में पीआईए के मुख्य कार्यों और गैर-प्रमुख संपत्तियों को बिक्री के लिए रखे जाने की उम्मीद है। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान के उड्डयन मंत्रालय ने कड़ी चेतावनी जारी की थी और संघीय सरकार से कहा था कि एयरलाइन गंभीर नकदी प्रवाह संकट से जूझ रही है। मंत्रालय ने कहा, इससे लेनदारों, विमान पट्टेदारों, ईंधन आपूर्तिकर्ताओं, बीमाकर्ताओं, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाईअड्डा ऑपरेटरों और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) पर बकाया हो गया है।

मंत्रालय ने कहा कि इसके कारण, पाकिस्तान के राष्ट्रीय ध्वज वाहक को अब अपने 13 पट्टे वाले विमानों में से पांच को खड़ा करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, और कहा कि चार और विमानों को भी इसी तरह का सामना करना पड़ेगा। डॉन के अनुसार, विमानन मंत्रालय ने यह भी बताया कि बोइंग और एयरबस सितंबर के मध्य तक स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति बंद करने की कगार पर थे। बढ़ती चिंताओं

के बीच, मंत्रालय ने 23 बिलियन पाकिस्तानी रुपये (लगभग 77.3 मिलियन अमरीकी डालर) के तत्काल 'नकद इंजेक्शन' का अनुरोध किया है। इसने घरेलू एजेंसियों के लिए शुल्क, कर और सेवा शुल्क को निलंबित करने के लिए भी कहा है।

पाकिस्तान में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की 35 उड़ानों का निरीक्षण नहीं किया है, जिससे अगले साल की उड़ानों के लिए आवश्यक प्रमाणपत्र जारी करना खतरे में पड़ सकता है। पाकिस्तान विमानन प्राधिकरण ने अन्य मुद्दों के अलावा विमानों की तकनीकी समस्याओं और चालक दल के प्रशिक्षण के बारे में टिप्पणियां की हैं। दैनिक समाचार के अनुसार, एयरलाइन को दिसंबर 2023 तक सीएए द्वारा निरीक्षण पूरा करने के लिए कहा गया था। ग्राउंडेड विमानों के साथ-साथ विदेश और पाकिस्तान नौसेना द्वारा उड़ाए गए विमान भी निरीक्षण सूची में शामिल हैं। अगले वर्ष के एयर ऑपरेटर प्रमाणपत्र की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2024 है। सीएए के उड़ान मानकों के निदेशक द्वारा संचालन विशिष्टताओं के शीर्षक के तहत विमानों की एक सूची जारी की गई है। सूची में एयरलाइन के 12 बोइंग 777, 17 एयरबस ए320 और छह एटीआर विमानों का विवरण शामिल है। सीएए ने बार-बार राष्ट्रीय ध्वज वाहक से इन विमानों का निरीक्षण पूरा करने के लिए कहा है। पीआईए के कुल 15 विमान ग्राउंडेड हैं, दो विदेश में हैं जबकि दो का इस्तेमाल देश की दूसरी संस्था कर रही है। संघीय सरकार ने कर्ज में डूबी पीआईए को विदेशी पूंजी के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत चलाने और राष्ट्रीय वाहक के पुनर्गठन की एक बड़ी योजना तैयार की है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को 15 विमानों को खड़ा करने का खतरा है क्योंकि उसने अभी तक 20 अरब रुपये तक का बकाया नहीं चुकाया है। सूत्रों के मुताबिक, इसके अलावा, अगर विमानों को खड़ा किया गया तो 30 से अधिक उड़ानें निलंबित होने की संभावना है। ईंधन, संघीय उत्पाद शुल्क (एफईडी) और पट्टे के भुगतान से संबंधित बकाए के समय पर भुगतान में देरी के कारण 15 विमानों को खड़ा किया जा सकता है।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति अल्वी ने तय कर दिए आम चुनाव की तारीख

-चुनाव आयोग ने कहा ये हमारा काम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को पत्र लिखा और एकतरफा रूप से आम चुनाव की तारीख 6 नवंबर प्रस्तावित की। अल्वी ने कहा कि उन्होंने 9 अगस्त को प्रधानमंत्री की सलाह पर नेशनल असेंबली को भंग किया था। इसके बाद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 48(5) का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को विधानसभा के लिए आम चुनाव कराने के लिए विघटन की तारीख से 90 दिनों के भीतर एक तारीख नियुक्त करने का अधिकार और आदेश दिया गया है। पत्र में कहा गया इसलिए, अनुच्छेद 48(5) के संदर्भ में नेशनल असेंबली के लिए आम चुनाव नेशनल असेंबली के विघटन की तारीख के 89वें दिन यानी 6 नवंबर 2023 तक होना चाहिए।

हालाँकि, सीईसी ने कहा है कि आम चुनाव की तारीख तय करना उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। आदर्श रूप से चुनाव 9 अगस्त के 90 दिनों के भीतर होने चाहिए। हालांकि, 2023 की जनगणना को मंजूरी देने के निवर्तमान शहबाज शरीफ सरकार के फैसले ने मामले को जटिल बनाया है। इस निर्णय के बाद ईसीपी ने परिसीमन कार्यक्रम की घोषणा की, जिसने इस साल चुनावों की संभावना को प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया। ईसीपी ने कहा है कि नए 2023 डिजिटल जनगणना परिणामों की अधिसूचना के बाद चुनावों को संवैधानिक रूप से अनिवार्य कटऑफ तिथि से आगे बढ़ाया जाएगा। ईसीपी अपना निर्णय चुनाव अधिनियम की धारा 17(2) पर आधारित करता है, जिसमें कहा गया है। प्रत्येक जनगणना आधिकारिक तौर पर प्रकाशित होने के बाद आयोग निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करेगा।

चीन ने अफगानिस्तान में राजदूत नियुक्त करके तालिबान को दी मंजूरी

-दोस्ती बढ़ाकर भारत और यूएस को रोकने में राजनीतिक रूप से हुआ कामयाब

बीजिंग (एजेंसी)। चीन दुनिया का पहला देश है जिसने अफगानिस्तान में अपना राजदूत नियुक्त कर दिया है। इस तरह से चीन ने तालिबान की सरकार को मंजूरी दी है और उससे कूटनीतिक रिश्ते कायम कर लिए हैं। बुधवार को चीनी राजदूत झाओ शिंग ने तालिबान के पीएम से मुलाकात की और उन्हें अपनी नियुक्ति के बारे में जानकारी दी। गौरतलब है ?कि अब तक किसी भी अन्य देश ने तालिबान से कूटनीतिक रिश्ते नहीं रखे हैं और सरकार को मान्यता भी नहीं दी है। ऐसे में चीन का यह कदम अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से अहम है। तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान के पीएम मोहम्मद हसन अखुंद ने चीनी राजदूत झाओ शिंग की नियुक्ति को स्वीकार किया है। तालिबान सरकार ने भी माना कि 2021 अगस्त में उसके अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज होने के बाद किसी भी देश की ओर से राजदूत की यह पहली नियुक्ति है। इससे पहले भी चीन ने अपने पुराने राजदूत को वापस नहीं बुलाया था।

बता दें कि 2019 में वांग यु अफगानिस्तान में चीन के राजदूत बने थे और पिछले महीने कार्यकाल समाप्त होने तक वहां बने हुए थे। सवाल यह है कि जिस तालिबान को दुनिया अछूत मानती है, उसे चीन इतना भाव क्यों दे रहा है। एक भारतीय शोधकर्ता अन्वेषा घोष के मुताबिक चीन के तालिबान से रिश्ते रखने में कई हित सधते हैं। पहला यह कि उसके यहां उइगुर मुस्लिमों का एक संगठन ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट सक्रिय रहा है। यह चरमपंथी संगठन है, जिसके तालिबान से रिश्ते हैं। ऐसे में चीन नहीं चाहता कि वह आतंकवाद को पनपने दे। इसकी पहली कोशिश तालिबान से दोस्ती के तौर पर ही वह करना चाहता है ताकि अफगान धरती पर अपने खिलाफ किसी भी गतिविधि पर रोक लगा सके। चीन को लगता है कि उइगुर बहुल शिनजियांग में स्थिरता के लिए यह जरूरी है कि सीमा से लगते अफगानिस्तान से दोस्ती बनी रहे। इसके अलावा चीन का एक हित वैश्विक राजनीति में अपना कद बढ़ाना भी है।

भारत में ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का प्रमुख निकाला पाकिस्तान का वर्दीवाला

-एंटी-नारकोटिक्स विंग के प्रमुख कर रहा था संचालित

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की एंटी-नारकोटिक्स फोर्स (एएनएफ) ने भारत में ड्रग्स तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दिया। इसके साथ ही वर्दी में एक अंडरवर्ल्ड डॉन का भी पता चला है। ड्रग-तस्करी नेटवर्क को कोई और नहीं बल्कि लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स विंग के प्रमुख मजहर इकबाल द्वारा संचालित हो रहा था। अधिकारियों ने बताया कि इकबाल के नेतृत्व वाला नेटवर्क ड्रोन का इस्तेमाल करके भारत में ड्रग्स, विशेष रूप से हेरोइन की तस्करी करता था।

पूर्व पुलिस उपाधीक्षक इकबाल, लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स इन्वेस्टिगेशन यूनिट का नेतृत्व कर रहे थे, जब एएनएफ ने ड्रग-तस्करी रैकेट का खुलासा किया। 1994 के बाद से, इकबाल को अवैध गतिविधियों में शामिल होने के कारण छह बार सेवा से बर्खास्त कर 45 बार निलंबित किया गया था। उसके खिलाफ ज्यादातर मामले मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े हैं। आश्चर्य की बात है कि इतने संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड के बावजूद इकबाल को लाहौर पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी विभाग का प्रमुख पद दिया गया था। पाकिस्तान के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इकबाल ने इन अवैध गतिविधियों के जरिए काफी संपत्ति अर्जित की है। नेटवर्क के भंडाफोड़ की घोषणा पिछले हफ्ते पाकिस्तानी रेंजर्स ने की थी। रेंजर्स ने कथित तौर पर मादक पदार्थों, हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी की कोशिश करने के आरोप में पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर छह भारतीयों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार तस्करों में से चार गुरमीत सिंह, शिंदर सिंह, जुगिंदर सिंह और विशाल जग्गा पंजाब के फिरोजपुर के रहने वाले हैं, जबकि रतन पाल सिंह और गर्वेंदर सिंह क्रमशः जालंधर और लुधियाना से हैं।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार भारतीयों से पूछताछ के बाद इकबाल के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। हालांकि, अधिकारी इकबाल को गिरफ्तार नहीं कर पाए क्योंकि उसने गिरफ्तारी से पहले ही जमानत ले ली थी। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इकबाल और उसके नेटवर्क ने ड्रोन का उपयोग करके पाकिस्तानी शहर कसूर से भारत तक नशीली दवाओं के ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा प्रदान की। जांच से पता चला है कि मजहर इकबाल ड्रोन के माध्यम से 30 किलोग्राम से अधिक हेरोइन भारत पहुंचाने में शामिल था और उस अपने काम के लिए दुबई में पेमेंट मिलता था। इकबाल ने कथित तौर पर अरबों रुपये की संपत्ति अर्जित की है। उनके पास शानदार कारों का एक बेड़ा भी है और वह लाहौर के पॉश डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी में चार कनाल के घर में रहते हैं।

जब तक प्रतिबंध हटाए नहीं जाते, परमाणु समझौता नहीं होगा लागू

-ईरान परमाणु प्रमुख मोहम्मद एस्लामी ने आईएईए के सहयोग विस्तार पर की चर्चा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के परमाणु प्रमुख ने साफ कर दिया है कि जब तक उनके देश पर से प्रतिबंध नहीं हटाए जाते हैं, परमाणु समझौता लागू नहीं करेंगे। मोहम्मद एस्लामी ने कहा है कि अगर अन्य पक्ष समझौते के तहत अपने दायित्वों का सम्मान नहीं करते हैं तो उनका देश 2015 के परमाणु समझौते को पूरी तरह से लागू नहीं करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) के अध्यक्ष मोहम्मद एस्लामी ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक कैबिनेट बैठक के मौके पर देश की परमाणु गतिविधियों और आईएईए के साथ सहयोग पर विस्तार से बात करते हुए यह टिप्पणी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा कि फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी का ई3 समूह ईरान से परमाणु समझौते को पूरी तरह से लागू करने की उम्मीद नहीं कर सकता है, जिसे औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उनमें से कोई भी समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा नहीं कर रहा है। ईरान के परमाणु उपायों को अमेरिकी प्रतिबंधों का मुकाबला करने के लिए 2020 में ईरानी संसद द्वारा पारित कानून के आधार पर लागू किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि जब तक प्रतिबंध पूरी तरह से नहीं हटाए जाएंगे, तब तक देश इसे जारी रखेगा। संसद के कानून ने सरकार को आईएईए द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं के निरीक्षण को प्रतिबंधित करने और जेसीपीओए के तहत निर्धारित सीमा से परे देश के परमाणु कार्यक्रम के विकास में तेजी लाने का आदेश दिया। सुरक्षा उपायों के समझौते के ढांचे के भीतर आईएईए के साथ एईओआई के सहयोग के संबंध में, एस्लामी ने कहा कि ईरान ने बातचीत के दौरान एजेंसी को आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान किया है और कई दस्तावेज जमा किए हैं, इससे दोनों पक्षों के बीच लंबित मामलों और मतभेदों के मुद्दों को चार से दो तक कम करने पर जोर दिया गया है।

तेल के बाद अब सऊदी अरब रेगिस्तान में कीमती धातुओं की कर रहा खोज

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब में भले ही तेल का भंडार मौजूद है, लेकिन क्राउन प्रिंस अब रेगिस्तान में कीमती धातुओं की खोज में जुटे हुए हैं। बता दें कि सऊदी 80 साल पहले कुछ नहीं था। लेकिन तेल ने उसे आज दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बना दिया है। सऊदी में ज्यादातर पैसा तेल का है। लेकिन अब राजशाही अपनी तेल केंद्रित अर्थव्यवस्था को बदलना चाहती है। इसके लिए सऊदी के रेगिस्तानों में धन के एक नए स्रोत को खोजा जा रहा है। सऊदी क्राउन प्रिंस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अरबों डॉलर खर्च कर रहे हैं। इसके साथ ही वह रेगिस्तान में अरबों डॉलर के धातुओं को खोजने में लगे हैं। इस प्लान के जरिए सऊदी को एक धातु केंद्र बनाने की योजना है। यह वैश्विक उद्योग में बड़ी क्रांति होगी। अंतर्राष्ट्रीय खनन कंपनियां इस खोज में लगी हैं। अगर सऊदी का यह सपना आंशिक रूप से भी सफल हुआ तो इसका प्रभाव पूरी दुनिया में होगा। धातु खनन के साथ ही सऊदी अमेरिका, चीन और विकासशील देशों के और भी करीब पहुंच जाएगा।

ब्रिटिश खनन फर्म मोक्सिको रिसोर्सेज पीएलसी रियाद से 200 किमी दूर पश्चिम खनैगुइयाह में जस्ता और तांबे की खुली खदान को स्थापित करने में मदद कर रहा है। कंपनी में काम करने वाले स्विगर्स ने कहा कि मैंने पूरे अफ्रीका में खनन किया है और भूविज्ञान जानता हूं। यहां खनन करना अच्छा है। रिग से हम 200 मीटर की गहराई में पृथ्वी के नमूने लेते हैं। यह साइट उन्हीं की ओर इशारा करती है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो 2025 तक खनैगुइयाह साइट से पहले चरण में हर साल 1 लाख टन जस्ता और दस हजार टन तांबा सहित धातुओं का उत्पादन होगा। वैश्विक मानकों के हिसाब से यह बेहद कम है। चिली में इतनी धातु 18 घंटों में ही निकल जाती है।

स्थानीय तौर पर खदानों को खोजने के साथ-साथ सऊदी धातुओं की रिफाइनरी लगाने के प्लान पर विचार कर रहा है, जो ज्यादा आसान है। इससे लक्ष्य है कि धातुओं को कहीं और से खरीदा जाए और उसे सऊदी के अंदर रिफाइन करके बेचा जाए। सऊदी ने जुलाई में इंटरनेशनल माइनिंग के क्षेत्र में पहली बार भाग लिया। इसने ब्राजील में 3.4 अरब डॉलर का एक निवेश किया।

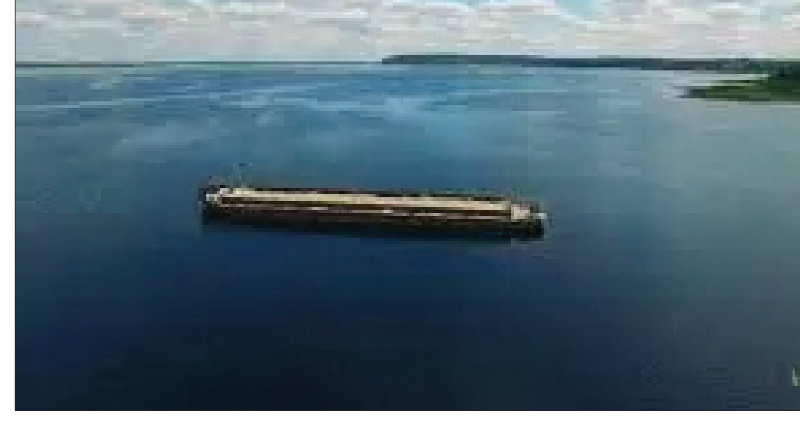

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्र को कर्नाटक ने साफ कहा, कावेरी से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना संभव नहीं

बेंगलुरु । कर्नाटक ने केन्द्र सरकार से साफ कह दिया है कि कावेरी का पानी तमिलनाडू के लिए छोड़ना मु ?श्किल है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने गुरुवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर कहा कि य ?दि पानी छोड़ा जाता है तो ऐसा करने पर उनके राज्य के किसानों, आम लोगों और पशुओं को संकट का सामना करना पड़ेगा। सिद्दारमैया ने रेखांकित किया कि किसानों, पशुओं और पीने के लिए कावेरी जल पर निर्भर लोगों को संकट में धकेल कर कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के आदेश को लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि समिति के निर्णय के अनुसार केआरएस और काबिनी बांधों से बिलिगुंडलू के माध्यम से 15 दिन के लिए 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना संभव नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री शेखावत से राज्य की जनता और पशुधन के हितों की रक्षा का भी अनुरोध करते हुए कहा, कर्नाटक ने समिति के पहले के आदेश का पालन किया था और वर्तमान में अधिकांश तालुक मानसून की विफलता के कारण सूखे का सामना कर रहे हैं। सिद्दारमैया ने कहा कि जून से मध्य सितंबर तक तमिलनाडु ने 100 टीएमसी पानी का उपयोग किया था। सूखे की अवधि में उपयोग 1987-88, 2002-03, 2012-13, 2016-17 और 2017-18 से अधिक है। हालांकि पानी का स्तर कर्नाटक के बांध सबसे निचले स्तर पर हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की भविष्यवाणी के मुताबिक, 12 से 24 सितंबर के बीच बारिश की कोई संभावना नहीं है। सिद्दारमैया ने कहा कि तमिलनाडु के मेट्टूर बांध में 12 सितंबर को जल भंडारण स्तर 24.233 टीएमसी था। अगर छोड़े गए पानी को ध्यान में रखा जाए, तो तमिलनाडु की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। खड़ी फसलों के लिए 70 टीएमसी पानी, पीने के पानी के लिए 33 टीएमसी पानी और उद्योगों के लिए 3 टीएमसी पानी की आवश्यकता होती है।

इंडिया गठबंधन की बैठक में जाने से ईडी ने रोका : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया है कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ के लिए उसी दिन को चुना, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह विपक्षी गठबंधन इंडिया की समन्वय समिति की पहली बैठक में शामिल न हो पाएं। लगभग 10 घंटे तक चली मैराथन पूछताछ के बाद रात 9 बजे से थोड़ा पहले ईडी कार्यालय से बाहर निकलने के बाद तृणमूल सांसद ने कहा, इंडिया के घटक दलों के सदस्यों ने मुझे ईडी के समन को नजरअंदाज करने और समन्वय समिति की बैठक में भाग लेने की सलाह दी थी। लेकिन मैंने ईडी कार्यालय आने का फैसला किया। मैंने इंडिया के सदस्यों से बैठक को स्थगित न करने का भी अनुरोध किया और बुधवार सुबह 11.32 बजे ईडी कार्यालय पहुंचा। उन्होंने दावा किया कि इंडिया की बैठक के दिन ईडी द्वारा उन्हें तलब किया जाना विपक्षी गठबंधन में तृणमूल के महत्व को दर्शाता है। बनर्जी ने कम सजा दर को आधार बनाते हुए ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी केंद्रीय एजेंसियों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा ?कि इतनी कम सजा दर से पता चलता है कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई अधिकांश जांच मात्र राजनीति से प्रेरित है। बनर्जी ने कहा ?कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ईडी और सीबीआई पिक एंड चूज़ के आधार पर मामलों को आगे बढ़ा रहे हैं। हमें भाजपा शासित राज्यों में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं दिख रही है। साथ ही, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा सताए जा रहे विपक्षी दलों के किसी भी नेता को भाजपा में शामिल होते ही क्लीन चिट मिल जाती है। उन्होंने पूछताछ का ब्योरा देने से हालांकि इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि ऐसा लगता है कि उनसे जो सवाल पूछे गए, वे कुछ पूर्वकल्पित धारणाओं से भरे हुए थे।

वंदे भारत के बाद सस्ते किराये वाली ट्रेन वंदे साधारण होगी शुरू

नई दिल्ली । भारत की सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब वंदे साधारण ट्रेन शुरु होगी। वंदे भारत में दी गई सुविधाओं की वजह से लोगों का ट्रेन में सफर करना काफी आसान हो गया है। लेकिन, अधिक किराए के कारण अब भी एक बड़ा वर्ग इस ट्रेन के सफर नहीं कर पा रहा है। इसी को देखते हुए केंद्र सरकार ने बजट के अनुकूल 'वंदे साधारण' ट्रेन लाने का फैसला किया है। इन ट्रेनों का लक्ष्य बजट के प्रति जागरूक यात्रियों को किफायती यात्रा प्रदान करना है। हालांकि नाम की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। वंदे साधारण को ऐसे रूट पर चलाने की तैयारी है, जिन रूटों पर प्रवासी मजदूरों की आवाजाही अधिक है और ट्रेनों में भारी भीड़ रहती है। इसके लिए रेलवे ने सर्वे भी कराया है। इस ट्रेन की सुविधाओं के बारे में बात करें तो इस ट्रेन के बनाने की प्रक्रिया इंटेग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में शुरू हो चुकी है। इसे अगले कुछ महीने में तैयार कर लिया जाएगा। इसमें सभी सेंकेंड क्लास के डिब्बे होंगे। इसलिए इसका किराया भी कम रहने का कयास लगाया जा रहा है। इन ट्रेनों में कुल 24 एलएचबी कोच होंगे और दो इंजन लगाए जाएंगे। कोच में बायो वैक्यूम शौचालय, यात्री सूचना प्रणाली और चार्जिंग पॉइंट जैसी सुविधाओं से डिजाइन किए जाएंगे। साथ ही सुरक्षा के लिए इसमें सीसीटीवी कैमरा तथा ऑटोमैटिक डोर सिस्टम भी होगा। इन ट्रेनों की सबसे बड़ी खासियत रहेगी कि इन की स्पीड मेल और एक्सप्रेस से ज्यादा होगी और स्टॉपेज भी कम होंगे। वंदे भारत की तरह ही इसमें ऑटोमेटिक दरवाजे दिए जाएंगे, जो ट्रेनों के चलने से पहले बंद हो जाएंगे। इन ट्रेनों को खास रूप से गरीब तबके के लोगों को देखकर बनाया गया है। जिसके चलते ये ट्रेन किराए के लिहाज से काफी सस्ती रहेगी। हालांकि अभी कोई इसकी ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

बिहार में डेंगू के डंक से डरी नीतिश सरकार, एक मरीज की हुई मौत

पटना । बिहार में डेंगू अब डराने लगा है। प्रदेश में मरीजों की संख्या 1300 को पार कर चुकी है। वहीं डेंगू से बिहार में एक मरीज की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से राज्य में पहली मौत की पुष्टि की है। साथ ही विभाग इससे निपटने की हर मुकम्मल तैयारी में जुटा है। राज्य में 200 और लोगों के डेंगू संक्रमित होने के साथ एक दिन में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए। प्रदेश में अब तक कुल पॉजिटिव केस 1332 हो गए हैं। उधर डेंगू के बढ़ते मामलों को देखकर राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। जिसमें अधिकारियों को सतर्क रहने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास का निर्देश दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, डेंगू से भागलपुर के रहने वाले एक शख्स की मौत हुई। जहां राज्य में डेंगू के दूसरे सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। डेंगू मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) और एम्स-पटना ने जांच बढ़ा दिया है। इसके संक्रमण का पता लगाने के लिए डेंगू के लिए सीरोलॉजी टेस्ट शुरू कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को रिपोर्ट किए गए 200 मामलों में से सबसे अधिक 67 केस पटना से थे। इसके बाद भागलपुर में 28, औरंगाबाद में 12, सारण में 9 और गया में 8 केस मिले हैं। इस साल अब तक कुल 1332 डेंगू के मामले सामने आए हैं। इसमें से 1057 मामले अकेले सितंबर में दर्ज किए गए हैं। डेंगू के मामलों की संख्या को देखकर पटना में अस्पताल खास अलर्ट पर हैं। राज्य के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में कुल 242 लोगों का इलाज चल रहा। जिसमें से सबसे अधिक 127 मरीज जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भागलपुर में हैं। इसके बाद पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में 35 मरीज भर्ती हैं। दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) में 21 और श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मुजफ्फरपुर में 18 मरीज इलाजरत हैं।

कंपकंपाते हाथों से पिता ने शहीद बेटे को किया सैल्यूट, कंधा देने उमड़े लोग

श्रीनगर । आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए जम्मू कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हिमायूं भट्ट को आंसुओं और सिसकियों के बीच उनके पिता और रिटायर्ड आईजी, गुलाम हसन भट ने अंतिम सलामी दी। बुजुर्ग भट ने कंपकपाते हाथों और नम आंखों से अपने डीएसपी बेटे को सैल्यूट किया और लड़खड़ाते कदमों से उनके जनाजे को कंधा दिया। बता दें कि जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के कोकेरनाग के ऊंचाई वाले क्षेत्र में यह मुठभेड़ हुई थी। हिमायूं के पिता गुलाम हसन भट ने 2018 तक जम्मू-कश्मीर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में भी काम किया है। उनका पूरा परिवार श्रीनगर एयर पोर्ट के पास हुमहामा इलाके की वीआईपी कॉलोनी में रहता है। शहीद डीएसपी भट अपने पीछे पत्नी और 28 दिन के नवजात शिशु को छोड़ गए हैं। पिछले साल ही उनकी शादी हुई थी।

जी20 की सफलता का श्रेय मुझे नहीं देश की 140 करोड़ जनता को जाता : पीएम मोदी

भोपाल (एजेंसी)। जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के बीना में सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जी20 की सफलता का श्रेय 140 करोड़ भारतवासियों को दिया। पीएम मोदी ने कहा कि जो आपकी भावना है, वे आज पूरे देश की भावना है। इस जी 20 की सफलता का श्रेय मोदी को नहीं बल्कि आप सभी को जाता है। उन्होंने कहा कि ये आप सबका सामर्थ्य है, ये 140 करोड़ भारतवासियों की सफलता है। ये भारत की सामूहिक शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भारत ने गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर स्वतंत्र होने के स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना शुरू किया है। कोई भी देश, जब ऐसा ठान लेता है, तब उसका कायाकल्प होना शुरू हो जाता है। इसकी एक तस्वीर अभी आपने जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी देखी है।

दरअसल, प्रधानमंत्री गुरुवार को मध्य प्रदेश में थे, जहां उन्होंने बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स और राज्य भर में दस नई औद्योगिक परियोजनाओं सहित 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार की प्रथामिकता बताकर विपक्ष पर भी जोरदार निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि बीना में बनने वाला ये आधुनिक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स इस पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, मैं आपको इसकी गारंटी देता हूं। इससे यहां नए नए उद्योग लगाने वाले हैं, उन्होंने कहा कि यहां के किसानों और छोटे उद्यमियों को मदद मिलेगी ही, सबसे बड़ी बात है कि मेरे नौजवानों को रोजगार के भी हजारों मौके मिलने वाले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में हर देशवासी ने अपने भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए ये जरुरी है कि भारत आत्मनिर्भर हो, हमें विदेशों से कम से कम चीजें मांगनी पड़ें। विपक्ष पर निशाना साधकर पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद जिन्होंने लंबे समय तक प्रदेश में राज किया उन्होंने भ्रष्टाचार और अपराध के सिवाय राज्य को कुछ भी नहीं दिया। वहां जमाना था कि यहां अपराधियों का ही बोलबाला था, कानून-व्यवस्था पर लोगों को भरोसा ही नहीं था। लेकिन जब आपने हमें और हमारे साथियों को सेवा का मौका दिया तब हमने पूरी ईमानदारी से मध्य प्रदेश का भाग्य बदलने का भरसक प्रयास किया है। हमने मध्य प्रदेश को भय से मुक्ति दिलाई, यहां कानून-व्यवस्था स्थापित की।

पाकिस्तान पर दबाव डाले बिना कुछ नहीं होगा : जनरल वीके सिंह

इंदौर । केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी. के. सिंह ने कहा कि जब तक हम पाकिस्तान को अलग-थलग नहीं करेंगे तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान पर दवाब डालना है तो उसको अलग-थलग करना होगा। अनंतनाग मुठभेड़ पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हमें पाकिस्तान पर दबाव बनाना होगा, ताकि आतंकवादी गतिविधियां रोकी जा सकें। गौरतलब है कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कमांडर उजैर खान समेत लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादी फंसे हैं। बुधवार को शुरू हुई कोकेरनाग मुठभेड़ में कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट शहीद हो गए थे। पुलिस ने कहा कि कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और डीएसपी हुमायूं भट की अटूट वीरता को सच्ची श्रद्धांजलि, जिन्होंने इस चल रहे ऑपरेशन के दौरान सामने से नेतृत्व करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं उजैर खान समेत लश्कर-ए-तैयबा के 2 आतंकवादियों को घेरने में दृढ़ संकल्प के साथ जुटी हुई हैं।

दोषी पाए गए जनप्रतिनिधियों के आजीवन चुनाव लड़ने पर लगे रोक

-एमिकस क्यूरी ने अपनी रिपोर्ट में की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसदों-विधायकों के खिलाफ आपराधिक केस से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एमिकस क्यूरी बनाए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को सिर्फ छह साल नहीं बल्कि आजीवन चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने की सफारिश की हैं। शीर्ष अदालत द्वारा एमिकस क्यूरी नियुक्ति के बाद से यह उनकी 19वीं रिपोर्ट है। मुख्य न्यायाधीश सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पेश होने वाली अपनी रिपोर्ट में हंसारिया ने कहा, सांसद और विधायक आमजन की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक बार नैतिक अधमता से जुड़ा अपराध करते हुए पाए जाने पर, उन्हें उस पद को संभालने से स्थायी रूप से अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।

हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सिविल सेवकों से संबंधित नियमों की ओर इशारा किया है, जो अनैतिक कार्यों से जुड़े किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए कर्मचारियों को बर्खास्त करने का प्रावधान करते हैं और केंद्रीय सतर्कता आयोग और मानवाधिकार आयोग जैसे वैधानिक निकायों से संबंधित कानून का भी जिक्र किया है, जो इसतरह के अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति को शीर्ष पदों पर नियुक्ति के लिए स्पष्ट रूप से अयोग्य घोषित करते हैं।

हंसारिया की रिपोर्ट में तर्क दिया गया है, अगर वैधानिक पद पर किसी भी दोषी अधिकारी या प्राधिकारी की नियुक्ति नहीं हो सकती है, तब तो यह स्पष्ट रूप से मनमाना है कि इसतरह का दोषी व्यक्ति सजा की एक निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद फिर से देश या राज्यों के सर्वोच्च विधायी निकाय संसद या विधानसभा/विधानपरिषद में आकर बैठ सकता है। कानून निर्माताओं को इसतरह के कानून के तहत पद संभालने वाले व्यक्तियों की तुलना में ज्यादा पवित्र और अनुल्लंघनीय होना चाहिए।

बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय द्वारा 2016 में दायर याचिका से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील हंसारिया को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। उपाध्याय ने अपनी याचिका में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी, जो एक दोषी सांसद या विधायक को सिर्फ छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराती है।

केजरीवाल की पंजाब यात्रा पर कांग्रेस और आप नेताओं की नजर

-गठबंधन को लेकर हो सकती हैं बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। केजरीवाल की यात्रा को लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई नीति बनाने की पंजाब सरकार की योजना पर उद्योगपतियों से फीडबैक लेने के लिए केजरीवाल गुरुवार और शुक्रवार को जालंधर, लुधियाना और मोहाली में रहने वाले हैं।

बताया जा रहा हैं कि केजरीवाल अमृतसर और जालंधर में उद्योगपतियों और उद्यमियों के साथ टाउनहॉल बैठकें करने वाले हैं। शुक्रवार को वह लुधियाना और मोहाली में उद्योगपतियों से मुलाकात करने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक वह इन चार प्रमुख शहरों में उद्योगपतियों के मुद्दों और समस्याओं को सुनने वाले हैं। उनके साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान भी रहने वाले हैं। उद्योगपतियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को आप सरकार की औद्योगिक नीति में संबोधित किया जाएगा। उनकी इस यात्रा को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आप और कांग्रेस के लिए केजरीवाल की यात्रा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। दोनों दल राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी ब्लॉक इंडिया के मंच पर एक साथ आए हैं। हालांकि, राज्य में गठबंधन के खिलाफ हैं। जबकि पूर्व पीपीसीसी प्रमुख नवजोत सिद्धू और लुधियाना के सांसद रवनीत बिट्टू को छोड़कर पंजाब कांग्रेस के अधिकांश नेताओं ने पंजाब में गठबंधन के खिलाफ रुख अपनाया है, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रिकॉर्ड पर कहा है कि पंजाब आप अकेले चुनाव लड़ने में सक्षम है, और यह जीतना जानता है। इन घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में, पंजाब में अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मान और अन्य नेताओं के साथ केजरीवाल की बैठकें पंजाब में इन पार्टियों के बीच गठबंधन के भविष्य पर असर डाल सकती हैं।

बागमती नदी में 33 बच्चों से भरी नाव पलटी, 13 अभी भी लापता

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बड़ा नाव हादसा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार यहां गायघाट के बेनीबाद ओपी क्षेत्र के मधुपट्टी घाट पर बागमती नदी में नाव पलटने के दौरान 16 बच्चे लापता हो गए हैं, जिनकी तलाश जारी है। बचाव दल ने 20 बच्चों को नदी से बाहर निकाल ?लिया है। बताया जा रहा है कि नाव में 33 बच्चे सवार थे। मुजफ्फरपुर के बेनीबाद ओपी इलाके के भटगांमा गांव के मधुरपट्टी घाट पर गुरुवार को बड़ा नाव हादसा हुआ है। इस हादसे में 30 से अधिक लोगों के डूबने की खबर है, जिसमें दर्जन भर लोगों को बचाया गया है। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे के बाद बाहर निकाले गए बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गयी है, आनन-फानन में मौके पर पहुंचे राहत बचाव कार्य शुरू किया गया है।

बच्चों का स्कूल नदी के उस पार है। बच्चे रोज की तरह नाव से स्कूल जा रहे थे। तभी नदी का बहाव तेज होने के चलते नाव पलट गई। गायघाट और बेनीबाद पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा है। बताया जा रहा है कि जिस जगह ये हादसा हुआ है वहां के लोग कई सालों से पुल की मांग कर रहे हैं। शॉर्टकट के चक्कर में लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं। बच्चे भी शॉर्टकट के चक्कर में ही नाव से ही स्कूल आना-जाना करते हैं।

उधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एसकेएमसीएच में नवनिर्मित पीकू वार्ड का उद्घाटन करने के लिए मुजफ्फरपुर पहुंचने वाले हैं। ऐसे में उनके दौरे के बीच मुजफ्फरपुर में बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल सीएम नीतीश कुमार मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में बन रहे होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र पहुंचने वाले थे जहां वो कैंसर हॉस्पिटल के लैब, और ओटी का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान बिहार के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे।

ज्ञानवापी सर्वेक्षण के दौरान खोजी गई महत्वपूर्ण वस्तुओं को जिला मजिस्ट्रेट को सौंपा

-जब जरुरत हो अदालत को उपलब्ध कराए

लखनऊ (एजेंसी)। वाराणसी अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद के चल रहे सर्वेक्षण के दौरान खोजी गई हिंदू धर्म से संबंधित सभी ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं को जिला मजिस्ट्रेट को सौंपने का आदेश दिया। जिला अदालत ने जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को इन वस्तुओं की सुरक्षा करने और आवश्यकता पड़ने पर अदालत को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। प्रश्नगत स्थल से जो भी वस्तुएँ एवं सामग्रियाँ प्राप्त हों, जो मामले के तथ्यों से संबंधित हों या हिंदू धर्म और पूजा पद्धति से संबंधित हों या ऐतिहासिक या पुरातात्विक दृष्टिकोण से मामले से संबंधित हों, उन्हें सौंप दिया जाए।

पीठ ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नियुक्त अधिकारी जो उन चीजों को सुरक्षित रखेगा और जब भी अदालत उन्हें मांगेगी, उन्हें अदालत में पेश करेगी। यह आदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उस याचिका पर सुनवाई से पहले आया है, जो वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर में स्थित एक मंदिर को पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से एक मुकदमे की वैधता पर सवाल उठाती है। इसके अतिरिक्त, अदालत वाराणसी अदालत के 2021 के निर्देश को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई करेगी, जिसमें एक वकील के नेतृत्व वाले आयोग द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया गया था।

अगले महीने शुरू होगी दलाई लामा की सिकिम्म यात्रा

धर्मशाला । तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की भारत-चीन सीमा पर पहाड़ों में बसे पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम की पांच दिवसीय यात्रा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के निमंत्रण पर अगले महीने शुरू होगी है। यह दलाई लामा की 10 से 14 अक्टूबर तक सिक्किम की सातवीं यात्रा होगी। यह तिब्बती आध्यात्मिक नेता और सिक्किम के लोगों के बीच संबंध को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा होगी। पहली यात्रा 1956 में भारत में भगवान बुद्ध की 2500वीं जयंती में भाग लेने के लिए जाते समय हुई थी। उस समय तिब्बत के रास्ते में भारी बर्फबारी के कारण वे लगभग एक महीने तक सिक्किम में रुके थे। उनकी आधिकारिक पोस्ट के अनुसार, उन्होंने अपनी आखिरी यात्रा दिसंबर 2010 में की थी, तब उन्होंने 17वीं शताब्दी के ताशीडिंग मठ में दो दिवसीय आध्यात्मिक विश्राम किया था, जो सिक्किम के सबसे पवित्र और पवित्रतम बौद्ध मठों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि गुरु पद्मसंभव ने आठवीं शताब्दी ईस्वी में तिब्बत की अपनी यात्रा के दौरान भूटान और सिक्किम दोनों का दौरा किया था। सिक्किम के मुख्यमंत्री तमांग ने इस यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दलाई लामा 10 को सिक्किम पहुंचकर 14 अक्टूबर को वापस लौट जाएंगे। जब से हमने 2019 में सरकार बनाई है, हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि परमपावन को सिक्किम आने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए निमंत्रण दिया जाए। आखिरकार, इस वर्ष हमारा प्रयास सफल होता दिख रहा है।

पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवणे ने चीन को दिखाया असली मैप, एक्स पर किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज नरवणे ने चीन का असली मैप साझा किया है। उन्होंने एक्स पर चीन का एक नक्शा शेयर करते हुए कटाक्ष किया है कि आखिरकार किसी को चीन का नक्शा मिल गया जैसा कि वह वास्तव में है। इस बहुरंगी मानचित्र में चीन ने तिब्बत समेत कई क्षेत्रों को अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों के रूप में सीमांकित कर अलग करके दिखाया है। उन्होंने लिखा कि यह चीन का असली मैप है। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के लिए कुख्यात है। मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक नक्शे में ताइवान, हांगकांग, तिब्बत, यूनान जैसे अन्य चीन की सीमा से लगे हुए देशों को चीन के कब्जे के तौर पर दिखाया गया है। पूर्व सेना प्रमुख ने ऐसे समय पर यह नक्शा शेयर किया है, जब चीन के नए नक्शे को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। बता दें कि चीन ने 28 अगस्त को देश का नया मैप जारी किया और उसमें ताइवान, अक्साइ चिन और भारत के अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया। भारत ने इसका कड़ा विरोध किया है।

इस बीच देखा जाए तो नक्शे में हांगकांग, तिब्बत, दक्षिण मंगोलिया और यूनान, पूर्वी तुर्कमेनिस्तान और मनचुरिया देशों को चीन के कब्जे वाले देशों के तौर पर दिखाया गया है। वहीं, ताइवान को रिपब्लिक ऑफ चाइना ताइवान के तौर पर पेश किया गया। चीन हमेशा से इन सभी देशों पर अपना दावा करता रहा है। वहीं, भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और अक्साई चिन पर भी उसने दावा पेश किया है। मैप में चीन ने नाइन-डैश लाइन पर अपना दावा पेश कर दक्षिण चीन सागर के एक बड़े हिस्से पर दावा किया है। हालांकि, इन हिस्सों पर वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और ब्रुनेई अपना-अपना दावा करते रहते हैं।

इस बीच, कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों का कहना है कि चीन ने लद्दाख में हमारी जमीन हथियाई है और केंद्र सरकार कुछ नहीं कर रही।~उधर, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के नया नक्शा जारी करने के बाद कहा था कि सिर्फ बेतुके दावे करने से दूसरे लोगों के क्षेत्र आपके नहीं हो जाते। उन्होंने कहा था कि नक्शा जारी करना उन क्षेत्रों पर दावा करने की चीन की 'पुरानी आदत' है जो उसके नहीं हैं। उन्होंने बीजिंग के 'बेतुके दावों' को खारिज कर दिया और कहा, 'मानचित्र जारी करने का कोई मतलब नहीं है।

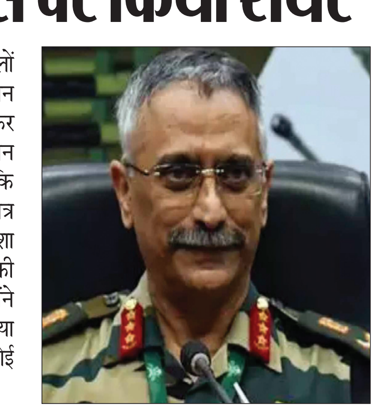

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाराबंकी पानी-पानी, 1.5 लाख आबादी प्रभावित

100 से ज्यादा गांवों में बाढ़, 4 दिन से स्कूल बंद; घर-दुकानों में पानी भरने से करोड़ों का नुकसान

बाराबंकी । लगातार बारिश के बाद आई बाढ़ में शहर और गांव जलमग्न हो गए। करीब 1 लाख 50 हजार की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। जलजमाव वाले इलाकों में बिजली गुल है। लोगों को पीने के पानी तक का संकट है। जलभराव से करीब 100 गांव प्रभावित हैं। 4 दिन से स्कूल बंद है। कामकाज ठप है। प्रभावित लोगों को रेस्क्यू करके कैंप में रखा गया है। जिले से बहने वाली सरयू, जमुरिया, रेठ, कल्याणी, सुमली, चौका और चौरियारी नदियां उफान पर हैं। बाराबंकी से आई तस्वीरों के बाद दैनिक भास्कर की टीम ने ग्राउंड जीरो पर जाकर हालातों का जायजा लिया। बाराबंकी शहर की बात करें तो करीब 10 मोहल्लों में अभी भी 2-3 फीट तक पानी भरा है। एनडीआरएफ ने रेस्क्यू करके सैकड़ों परिवारों को शेल्टर हाउस में शिफ्ट किया है। शहर के पायनियर इंटर कॉलेज, यंग स्ट्रीम कॉलेज और रामसेवक इंटर कॉलेज में शेल्टर बनाए गए हैं। यहां रेस्क्यू किए गए 5 हजार से ज्यादा लोगों को रखा गया है। वहीं, जलमग्न इलाकों में NDRF-SDRF और PAC पेट्रोलिंग कर रही है। जिन इलाकों में जलजमाव की स्थिति खतरनाक नहीं हैं। वहां लोगों को फूड पैकेट बांटे जा रहे हैं। बुधवार को टीम ने करीब 5 हजार से ज्यादा फूड पैकेज बांटे। जिले में सोमवार को हुई बारिश के बाद से स्कूल बंद हैं। सरकारी कामकाज भी ठप पड़ा है। शहर से गुजरने वाली जमुरिया नदी का जलस्तर कुछ कम हुआ है, लेकिन मोहल्लों में अभी भी जलभराव है। शहर के कमरिया बाग, अभयनगर, हड्डीगंज, कमल विहार, श्रीनगर, कोठीडीह, उज्जवल नगर, वृंदावन कॉलोनी, कार्तिक विहार कॉलोनी, दशहरा बाग खलारिया में अभी पानी भरा हुआ है। शहर में आई बाढ़ से घरों और दुकानों में रखा गया सामान खराब हो गया। अनुमान है कि करोड़ों का नुकसान हुआ है। गल्ला-बेकरी, कपड़ा-दवा की दुकानों के अलावा गोदाम में भी पानी भर गया। छाया, घोसियाना, राजकमल रोड, पीरबटावन, सत्यप्रेमी नगर की बाजारों में दुकान में पानी भरा हुआ है। शहर के मेन रास्तों में पानी भरा है। इसलिए इनको बंद रखा गया है। पटेल तिराहे के पास स्थित जमुरिया पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। ऐसे में इसे भी बंद कर दिया गया है। बाराबंकी में बारिश के चलते अब तक 3 लोगों की मौत रिकॉर्ड हुई है। 31 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। बिरौली संपर्क मार्ग कट गया। बिंदौरा नहर के किनारे सड़क ध्वस्त हो गई है। बात करें महमूदपुर की, तो यहां महमूदपुर-नसूरतगंज रोड पर खारजा का पुल क्षतिग्रस्त हुआ है।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम अमर शहीदों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करना: पीएन सिंह

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। आजादी के 75 वें अमृत मोहत्सव के तहत नपाप कुशीनगर के शहीद भगत सिंह नगर (अनिरुद्धवा) में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत अमृत कलश में मिट्टी संग्रह किया गया। भाजपा वार्ड संयोजक व शक्ति केंद्र प्रभारी व सह संयोजक/सभासद प्रभुनाथ सिंह के नेतृत्व में आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में घर घर जाकर मिट्टी इकट्ठा किया गया। इस अवसर पर सभासद प्रभुनाथ सिंह ने कहा कि पूरा देश आजादी का महोत्सव मना रहा है। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करना है। इनके संघर्ष व त्याग की बदौलत ही आज हमें आजादी मिली है। इन्हीं की याद में दिल्ली में अमृत वाटिका बनाई जा रही है। इस दौरान बूथ अध्यक्ष गणपति शर्मा, संतोष गोंड, नन्हे सिंह, आमोद सिंह एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिंदी दिवस: हिंदी हमारी पहचान से जुड़ी है: उमेश उपाध्याय

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। बुद्ध इंटर कॉलेज कुशीनगर में अध्यापकगण एवं छात्र/छात्राओं द्वारा 14 सितंबर हिंदी दिवस को समारोह पूर्वक मनाया गया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय की । उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी पहचान से जुड़ी है। कोई भी देश अपनी पहचान को तभी कायम रख सकता है जब उसकी अपनी निज भाषा हो। आजादी के बाद के समय से ही हिंदी आमजन की भाषा होने के कारण गांधी सहित अधिकांश नेताओं ने आजादी के द हिंदी को ही राष्ट्रभाषा बनाने का निर्णय लिया। आज हिंदी विश्व की तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। इम्तियाज अहमद खान, शंभूराव, सुरेश प्रसाद गुप्त, शंभू शरण श्रीवास्तव, अनिल कुमार एवं लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त किये। संचालन माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष जगदीप सिंह ने किया। सूर्य प्रकाश, अरविंद राव, शिवेंद्र कुमार पांडेय, हरिकेश सिंह, रमेश प्रसाद, राजेश राम, जमीर अहमद, अमरजीत मिश्र, उपेंद्र प्रसाद, सत्येंद्र कुमार पांडेय, कृष्ण मोहन राव, शिवानंद धर दुबे, विजय मनिंद्र त्रिपाठी, सुरेश कुमार, अखिलानंद तिवारी, नेहा तिवारी, चित्रांश कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

हापुड़ में हुए लाठीचार्ज की घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने फूंका पुतला

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। हापुड़ जिले में अधिवक्ताओं पर हुए लाठी चार्ज के खिलाफ पूरे प्रदेश में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर द सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कसया व तहसील बार के अधिवक्ताओं ने गांधी चौक पर प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश शासन प्रशासन व मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। गुरुवार को दी सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन कसया के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने शासन व प्रशासन का पुतला फूंका और हापुड़ में अधिवक्ताओं के साथ हुई घटना की निंदा की। इस दौरान अधिवक्ता गण मौजूद रहे।इसी क्रम में तहसील कसया परिसर में अधिवक्ता एकत्र हुए और अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र लाल श्रीवास्तव व मंत्री विजय प्रताप सिंह ने नेतृत्व में नारे बाजी करते हुए प्रदर्शन किया और हापुड़ की घटना में न्याय दिलाने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय, काशीनाथ जायसवाल, ध्रुव पाण्डेय, नागेन्द्र पाण्डेय, कृष्ण कुमार तिवारी, संजय वर्मा, विनय दत्त राय, राजेन्द्र तिवारी, रविन्द्र तिवारी, विनोद शंकर मिश्रा, दिनेश सिंह, गोविंद तिवारी, रामायन प्रसाद, अशोक तिवारी, दीपक कुशवाहा, तुषार कांत आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने एन0एस0जी0 तथा उ0प्र0 पुलिस के संयुक्त अभ्यास गाण्डीव-ट का अवलोकन किया

संवाददाता
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एन0एस0जी0) तथा उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आतंकी घटनाओं से सफलतापूर्वक निपटने हेतु किए गए संयुक्त अभ्यास ह्यगाण्डीव-टह्न का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने एन0एस0जी0 की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। एन0एस0जी0 कमाण्डो द्वारा आतंकवादी घटना से निपटने के लिए की जाने वाली कार्यवाही का प्रस्तुतीकरण भी किया गया जिसका मुख्यमंत्री जी ने अवलोकन किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, पूर्व मंत्री डॉ0 महेन्द्र सिंह, मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, पुलिस महानिदेशक श्री विजय कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, स्पेशल डी0जी0 कानून व्यवस्था श्री प्रशान्त कुमार सहित पुलिस तथा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टीएमसी की बैठक: बुद्ध स्थली को वैश्विक ख्याति देना ही मुख्य उद्देश्य : डीएम

संवाददाता
कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय पर्यटक केंद्र कुशीनगर के विकास हेतु टेंपल मैनेजमेंट कमेटी की आवश्यक बैठक जिलाधिकारि उमेश मिश्रा की अध्यक्षता और अपर जिलाधिकारी की उपस्थिति में कलक्ट्रेट सभागार सभी सम्बन्धित गणों के साथ सम्पन्न की गई। कुशीनगर टेम्पल एरिया में अब तक हुए विकास कार्यों और भावी समय में कराए जाने वाले विकाश कार्यों को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुतीकरण उपजिलाधिकारी कसया कसया द्वारा किया गया तथा पर्यटन क्षेत्र के रूप में विश्व स्तर पर विकसित करने,पर्यटकों को लुभाने/अन्य विकास कार्यों के लिए कमेटी के सदस्यों द्वारा सुझाव व आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव भी मांगे गये। बैठक के दौरान विकास खण्ड फाजिलनगर के तरफ से कराए जाने निर्माण कार्यों बुद्ध गमन मार्ग,दुराव, फरेंदहा अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्य जाने की जानकारी दी गयी, (उस्मानपुर) प्राचीन नाम घोड़ नाथ,कुकुत्था नदी (पुरैना घाट) आदि को पर्यटन क्षेत्र,नौका विहार,ग्रीन पार्क एरिया आदि के रूप में के विकास का कार्य भी कराया जाएगा। पर्यटकों की बेहतर सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए कुशीनगर पर्यटन थाना क्षेत्र की शुरूआत की गई है। भरौली पोखरा जिसका क्षेत्रफल 1.600 हे0 है जिसे विकसित करने हेतु प्रस्ताव कमेटी में प्रस्तुतिकरण किया गया।

उक्त एरिया को विकसित किये जाने के सम्बन्ध में उप जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि शिव मंदिर का विकास किया जाएगा वहां बोट/नाव चलाया जाएगा, चारों तरफ ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा,बुद्ध की प्रतिमा भी लगवाई जाएगी। करुणा सागर पार्क को पर्यटन के रूप में विकास कर पर्यटन के रूप में विकसित किया जायेगा। इसके अलावे गांधी चौक को लखनऊ के हजरतगंज मार्केट चौराहे के रूप में विकसित किये जाने की भी बात कही गई। प्रस्तावित बुद्धा उपवन व एयरपोर्ट कुशीनगर के विकास का भी प्रस्ताव रखा गया। कसया पड़रौना मार्ग पर फूड पार्क बनाये जाने, फूड स्टाल लगवाए जाने व टैक्सी स्टैंड बनवाये जाने सहित स्ट्रीट फूड हब कुशीनगर, रामभार स्तूप के सामने सरकारी भूमि पर पब्लिक लाइब्रेरी, कैफेटेरिया, रैन बसेरा बनवाकर विकसीत किये जाने हेतु प्रस्तावित किया गया। कुशीनगर टेम्पल एरिया में वर्तमान में हो रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि बुद्धा थीम पार्क, विपश्यना उपवन, जो वर्तमान में निमार्णाधीन है तथा फाजिलनगर में जैन मंदिर की प्रगति शून्य बताई गई।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि कुशीनगर को विश्व स्तर पर ख्याति देना मेरा उद्देश्य है,जहां बुद्ध की इस धरती को विकासित करना ही लक्ष्य है,इस एरिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास करना है, महात्मा बुद्ध की धरती है जिन्होंने ऐसे सिद्धांत दिए जिसे पूरे विश्व ने स्वीकार किया। उनके उद्देश्यों, उनके लक्ष्यों को आगे बढ़ाना है,तथा यहां के टूरिज्म को, आर्थिक विकास के क्षेत्र को, पर्यटन को विकास करना ही लक्ष्य है।

इस अवसर पर सरकारी कागजात में बकया नाला का नाम बदलकर हिरण्यवती नदी नाम रखे जाने की मांग की गई। जिलाधिकारी ने अब तक हुए विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नियमित बैठक होती रहेगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा,उप जिलाधिकारी कसया, भिक्षु भदन्त ज्ञानेश्वर भंते,डॉ0 नन्द रतन फेरो श्रीलंका बुद्ध विहार,प्रबंधक पथिक निवास,भिक्षु सोंग करन थाई बुद्ध विहार, पर्यटक सूचना अधिकारी प्राण रंजन सहित अन्य सभी सम्बन्धित उपस्थित रहे।

निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

संवाददाता
धामपुर। दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन, निशुल्क चिकित्सा शिविर धामपुर क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर लाल उर्फ उदुपुरा मे लगाया गया। शिविर का उद्घाटन गांव के बड़े बुजुर्ग करन सिंह द्वारा फिता काटकर किया गया शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ आदित्य अग्रवाल सर्जन व डॉ अनिल दास फिजिशियन ने 250 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया। जिसमे 3 दिन की निशुल्क दवाइयां वितरण की व सभी जांचें नाम मात्र रुपए में की गई। शिविर में "पॉलिथीन मुक्त नगर अपना "अभियान के बारे में लोगों को अवगत कराकर कपड़े के बने थैले भी दस रुपए सहयोग राशि लेकर वितरित किए गए। शिविर को सफल बनाने में पंकज अग्रवाल ,साहिल ,अखिलेश शर्मा, नन्हे कुमार, संकेत अग्रवाल, सतीश कुमार ,चेतन सिंह ,अवधेश कुमार, हरपाल सिंह, मदन सिंह, यशपाल सिंह, हरि सिंह ,प्रवीण सिंह ,भूपेंद्र सिंह, विकास कुमार ,अमित कुमार,आदि का योगदान सराहनीय रहा।

संक्षिप्त डायरी

बार एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार के खिलाफ किया पुतला दहन

संवाददाता
हापुड़। उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ मैं, 29 अगस्त को महिला अधिवक्ता ने एक पुलिस कर्मी पर अपने साथ बदतमीजी करने का आरोप लगाया था।जिसके चलते पुलिस ने अपने ऊपर आरोप लगते देख अधिवक्ताओ पर लाठी चार्ज कर दी जिसका वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हो गया। 30 अगस्त को अधिवक्ताओ ने तहसील चौराहे पर शांति पूर्वक धरना किया था! उसी क्रम मैं यूपी के कुछ जिलों मैं अधिवक्ताओ ने अपना अपना कार्यकाल बंद कर दिया जिससे जगह जगह अधिवक्ताओ के धरना प्रदर्शन आज तक जारी हैं !बतादें की दिनांक 14 सितंबर को भी हापुड़ बार एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया और पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे भी लगाए जिसमें करीब दौ सौ से ज्यादा अधिवक्ताओ ने भाग लिया !मिली जानकारी के अनुसार इससे पहले हापुड़ बार एसोसिएशन ने हापुड़ पुलिस प्रशासन के खिलाफ पुतला दहन किया था अधिवक्ताओ ने कहा की जब तक हमें न्याय नहीं मिलेगा तब तक हमारा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

हापुड़ में भीड़ भाड़ वाली जगह पर एण्टीरोमियों स्क्वाड टीम द्वारा की गई चेकिंग

संवाददाता
हापुड़ । समस्त थानों की एण्टीरोमियों स्क्वाड टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों भीड़-भाड़ वाले इलाकों एवं पार्क आदि स्थानों पर मनचलों शोहदों की चेकिंग की जा रही है दिनांक 14 सितंबर को नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद हापुड़ में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद की समस्त थानों की एण्टीरोमियों टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, गांव कस्बों, पार्कों व भीड़-भाड़ वाले इलाकों के आस-पास मनचलों एवं शोहदों की चेकिंग की गयी तथा अनावश्यक रूप से घूमने वाले संदिग्ध लड़कों युवकों से पूछताछ कर उन्हें हिदायत दी जा रही है।

स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण जरूरी : अमित नारायण मिश्र

संवाददाता
कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में गुरुवार को हाटा विकास खंड के डुमरी चुरामनछपरा गांव निवासी अमित नारायण मिश्र, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक, टीबी एंड चेस्ट विभाग, बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर ने बच्चों श्रद्धा व आदित्य के साथ पौधरोपण कर जन्मदिन मनाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण जरूरी है। जिस प्रकार हम स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए अपनी सफाई करते हैं उसी प्रकार अपने पर्यावरण को स्वस्थ रखने के लिए अधिकाधिक पौधरोपण करना होगा और प्रदूषण फैलाने वाली भौतिकवादी चीजों से दूरी बनानी होगी। अमित नारायण ने टीबी की बीमारी के बारे में बताते हुए कहा कि सही जानकारी के अभाव के कारण इसके सम्बन्ध में बहुत सी भ्रांतियां है और लोग टीबी मरीजों से भेद भाव करते हैं।

जबकि मात्र 6 माह तक दवाओं का नियमित सेवन और स्वस्थ जीवन शैली के साथ पोषण युक्त सामग्री का सेवन कर मरीज आसानी से टीबी मुक्त हो जा रहे। उन्होंने बताया कि सरकारी स्वास्थ केंद्रों पर दवाएं भी निःशुल्क है। बस मरीजों को झिझक छोड़नी है और समाज को मरीजों के प्रति अपने नजरिये में परिवर्तन लाना है।

हिंदी को रोजगार की भाषा बनाना जरूरी: दिनेश तिवारी

हिंदी भाषा वैज्ञानिक भाषा है: राजेश सिंह

संवाददाता
कुशीनगर। हिंदी को मात्र पाठ्यक्रम का विषय मानकर उसे विषय के रूप में हिंदी पढ़ने वालों की जिम्मेदारी समझना उसकी उपेक्षा और कमजोर स्थिति का कारण है। हिंदी सिर्फ विद्यालयों महाविद्यालयों में पढ़ा जाने वाला विषय नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और विचारों की संवाहक है। हमें इस बात को समझना होगा तब हम हिंदी के असली उत्तराधिकारी कहे जाएंगे। उक्त बातें बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार और कवि दिनेश तिवारी ने कही। उन्होंने कहा कि हिंदी जितना ज्यादा रोजगार की भाषा बनेगी उतना ही मजबूत होगी। इसलिए इसे रोजगार की भाषा बनाना जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हिंदी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा वैज्ञानिक भाषा है। हमारे संविधान में आज के दिन ही इसे राजभाषा बनाया गया था इसलिए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1953 से इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मानने का निर्णय लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के पी सिंह ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है आज के दिन हमे इस बात का प्रण लेना चाहिए कि अपने दैनिक जीवन में इसका अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे। डॉ रविशंकर प्रताप राव ने हिंदी के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की चर्चा करते हुए हिंदी के महत्व को बताया और कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी भाषा और हिंदी क्षेत्र का योगदान अतुलनीय है। डॉ गौरव तिवारी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि दैनिक जीवन में हिंदी का प्रभाव लगातार कम होता जा रहा है। यह चिंता का विषय है। यह सिर्फ भाषा नहीं हमारी संस्कृति की संवाहक है। आजकल बच्चे फलों सब्जियों के हिंदी नाम और हिंदी में गणना भूल गए हैं। हमारी भाषा में सब कुछ को महसूस करने की एक बड़ी परंपरा विरासत में मिली थी। हिंदी के कमजोर होने से हम अपनी विरासत को खो देंगे। डॉ अंबिका प्रसाद तिवारी ने कहा कि हिंदी भाषा व्यापार के माध्यम से पूरी दुनिया में पहुंच चुकी है। हमारे प्रधानमंत्री ने इसे संवाद की भाषा बनाकर और विस्तार दिया है। डॉ दीपक ने कहा कि हिंदी के प्रसार में फिल्मों और मजदूरों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिक रही है। इन दोनों ने इसे देश औ दुनिया के कोने कोने तक पहुंच दिया है। डा रामनवल ने कहा कि हिंदी को भले राजभाषा कहा जात है लेकिन वह अभी तक राजकाज की भाषा ठीक से बन नहीं पाई है इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। डॉ राकेश सोनकर ने हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग की वकालत करते हुए कहा कि अपने मां बाप की तरह हमे अपनी भाषा पर भी गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ राकेश सोनकर, अनुज कुमार, कमलेश और राम सनेही सहित विद्यार्थियों की सहभागिता रही।